RNI : PBHIN/25/A4135

साप्ताहिक

सत्ता संदेश

सम्पादक : जितेंद्र कुमार Website : www.sattasandesh.com YouTube : @sattasandesh25

The Power of Print...

रानी मुखर्जी की फिल्म 'मर्दानी 3' 6

वर्ष :2 अंक : 3 19 जनवरी : 2026 मूल्य रु. 5.00 /- पृष्ठ : 8 Email : sattasandesh25@ gmail.com

हरमनप्रीत कौर को छोले-भटूरे और 8

आज का इतिहास

कर्नाटक में एकसाथ हो सकते हैं सभी निकाय चुनाव

नई दिल्ली। कर्नाटक सरकार सभी स्थानीय निकाय चुनाव एक साथ कराने पर विचार कर रही है। इसमें बेंगलुरु के नगर निकाय चुनाव भी शामिल हैं। उपमुख्यमंत्री और राज्य कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने सोमवार को इस मामले में बयान दिया है।

उन्होंने कहा कि सरकार 73वें और 74वें संवैधानिक संशोधनों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इससे स्थानीय स्तर पर युवाओं और नई पीढ़ी को नेतृत्व मिल सके। यह फैसला लंबे समय से लंबित पड़े स्थानीय चुनावों को एक साथ निपटाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

काबुल चीनी रेस्तरां विस्फोट में 20 की मौत

चीन ने दिखाई सख्ती, तालिबान से मांगी सुरक्षा गारंटी

चीन ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से अपने नागरिकों, परियोजनाओं और संस्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कदम उठाने का मंगलवार को आग्रह किया। यह अपील काबुल में एक चीनी रेस्तरां में हुए घातक विस्फोट के बाद की गई है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, सोमवार को हुए इस विस्फोट में 20 लोगों की मौत हो गई। इस हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट ने ली है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इस विस्फोट में एक चीनी नागरिक की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हुए हैं।

उन्होंने कहा, ÷जान गंवाने वाले लोगों के प्रति चीन गहरी संवेदना व्यक्त करता है और घायलों के प्रति हार्दिक सहानुभूति प्रकट करता है।÷ गुओ ने बताया कि चीन ने अफगान अधिकारियों के समक्ष तत्काल आपत्ति दर्ज कराई है और उनसे घायलों को बचाने व उनका इलाज सुनिश्चित करने, चीनी नागरिकों, परियोजनाओं और संस्थानों की सुरक्षा करने, हमले की गहन जांच करने तथा दोषियों को शीघ्र न्याय के कटघरे में लाने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि बीजिंग आतंकवाद के हर रूप की कड़े शब्दों में निंदा करता है और उसका दृढ़ विरोध करता है।

बुल्गारिया में राजनीतिक भूचाल, राष्ट्रपति रूमेन रादेव ने दिया इस्तीफा

बुल्गारिया के वामपंथी झुकाव वाले राष्ट्रपति रूमेन रादेव ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की। रादेव ने संकेत दिया है कि वह आगामी चुनाव में हिस्सा ले सकते हैं, जिसकी व्यापक उम्मीद की जा रही है क्योंकि हालिया विरोध प्रदर्शनों के बाद मध्य-दक्षिणपंथी सरकार को इस्तीफा देना पड़ा। टेलीविजन पर एक संबोधन में रादेव ने कहा कि वह मंगलवार को अपना इस्तीफा औपचारिक रूप से संवैधानिक न्यायालय को सौंपेंगे।

संविधान के तहत मौजूदा उपराष्ट्रपति इलियाना योतोवा को संसद द्वारा शपथ दिलाई जाएगी और वह राष्ट्रपति कार्यकाल की शेष अवधि तक इस पद पर रहेंगी। रादेव ने यह निर्णय ऐसे समय लिया है जब जनता को उम्मीद है कि वह एक नई राजनीतिक पार्टी का गठन कर सकते हैं। उनका इस्तीफा बुल्गारिया के उत्तर-सम्यवादी इतिहास में किसी राष्ट्राध्यक्ष का पहला इस्तीफा है।

किश्तवाड़ आतंकी हमले के बाद हिमाचल में हाई अलर्ट

जम्मू: किश्तवाड़ में हुए आतंकी हमले के बाद हिमाचल प्रदेश में भी हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। खासतौर पर सीमावर्ती चंबा जिले में सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हो गई हैं। किश्तवाड़ से तीन आतंकियों के फरार होने की सूचना के बाद पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

हिमाचल प्रदेश के जम्मू-कश्मीर से सटे इलाकों में चौकसी बढ़ा दी गई है। हमले के बाद चंबा जिला पूरी तरह सुरक्षा घेरे में आ गया है। जम्मू-कश्मीर से लगने वाली सभी सीमाओं को सील कर दिया गया है और प्रत्येक मार्ग पर सख्त पहरा बैठाया गया है।

हिमाचल में बर्फबारी, शिंकुला दर्रे के लिए जारी की एडवाइजरी, उल्लंघन करने पर होगी कार्रवाई

हिमाचल : ताजा बर्फबारी और लाहौल और स्पीति जिले के शिंकुला में पर्यटकों की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए जिला पुलिस ने पर्यटकों, यात्रियों और स्थानीय लोगों के लिए एक विस्तृत सुरक्षा और ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। लाहौल और स्पीति की एसपी शिवानी मेहला के अनुसार, सभी पर्यटकों और यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे ज़िला प्रशासन और पुलिस द्वारा समय-समय पर जारी मौसम और ट्रैफिक एडवाइजरी का पालन करें। यात्रियों को शिंकुला में अनुमति वाली या तय जगहों से आगे न जाने की चेतावनी दी गई है।

9 बेटियों के बाद बेटे का हुआ जन्म, परिवार में खुशी का माहौल, मां बोली-23 साल बाद घर में आया बाबू

हरियाणा के जींद जिले के उचाना कलां गांव से एक खास और भावुक कर देने वाली खबर सामने आई है। यहां एक महिला ने लगातार 9 बेटियों को जन्म देने के बाद अब एक बेटे को जन्म दिया है। बेटे के जन्म के बाद पूरे परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई है। यह कोई पहला मामला नहीं है। बीते 15 दिनों में यह दूसरी घटना है, जब किसी महिला ने इतनी बेटियों के बाद बेटे को जन्म दिया है। इसी उचाना क्षेत्र में जनवरी के पहले हफ्ते में एक महिला ने 10 बेटियों के बाद बेटे को जन्म दिया था। इस नए मामले में भी एक समानता है। महिला ने पहले कुल 10 बेटियों को जन्म दिया था, लेकिन उनमें से एक बेटी का निधन हो गया था। इस कारण फिलहाल परिवार में 9 बेटियां हैं।

पंजाब के मुख्यमंत्री में लोगों का सामना करने की हिम्मत नहीं: सुखबीर बादल

चंडीगढ़- शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष और पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल ने पंजाब के मुख्यमंत्री व गृह मंत्री भगवंत मान पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पंजाब शायद देश का इकलौता ऐसा राज्य है, जहां डीजीपी प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हैं, क्योंकि

बाकी पन्ना नम्बर 2 पर

जम्मू को कश्मीर से अलग नहीं किया जा सकता - फारूक

बंटवारे की मांग करने वाले लोग मूर्ख

जम्मू- जम्मू- कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री एवं जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि जम्मू को कश्मीर से अलग नहीं किया जा सकता और वह ऐसे किसी भी व्यक्ति का समर्थन नहीं करते जो इस विचार का समर्थन करता है। जम्मू प्रांत के प्रखंड अध्यक्षों और सचिवों के सम्मेलन के दूसरे दिन यहां संवाददाताओं से बात करते हुए डॉ. अब्दुल्ला ने कहा, ÷जो लोग जम्मू क्षेत्र को कश्मीर से अलग करने की वकालत कर रहे हैं, वे मूर्ख और अज्ञानी हैं। लद्दाख को बांटने के बाद क्या मिला और एक दिन यह फिर से जम्मू- कश्मीर के साथ एकजुट हो जाएगा। पीर पंजाल और चिनाब घाटी को स्वायत्तता देने की बात भी डिक्सन योजना का हिस्सा है, जिसे हमने खारिज कर दिया था।' उन्होंने बताया कि सर ओवेन डिक्सन एक ऑस्ट्रेलियाई जज थे जिन्हें 1950 में कश्मीर मुद्दे का समाधान सुझाने के लिए नियुक्त किया गया था। डिक्सन एक योजना लेकर आए थे जिसमें लद्दाख को भारत को देने, पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर, गिलगित और बाल्टिस्तान सहित पाकिस्तान के पास रहने देने , कश्मीर घाटी में स्वतंत्रता के विकल्प के बिना जनमत संग्रह कराने और जम्मू को धार्मिक आधार पर विभाजित किए जाने की बात कही गई थी।

जम्मू-कश्मीर के बंटवारे का समर्थन करने वाले कश्मीर के नेताओं के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए डॉ. अब्दुल्ला ने कहा कि लद्दाख भी अब जम्मू- कश्मीर के साथ फिर से जुड़ना चाहता है। उन्होंने प्रदेश में ज़लि बनाने की मांग पर कहा, 'इसकी ज़रूरत नहीं है क्योंकि हमारे पास पहले से ही काफ़ी हैं।÷ पीपुल डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती द्वारा बेरोज़गारी के मुद्दे पर लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए डॉ. अब्दुल्ला ने कहा, 'वह भी मुख्यमंत्री थीं, और उनके पिता भी मुख्यमंत्री रहे थे। उन्होंने क्या किया? दूसरों पर उंगली उठाना आसान है, लेकिन याद रखें कि तीन उंगलियां उनकी तरफ भी इशारा कर रही हैं।'

अमेरिकी मीडिया में स्वतंत्रता बनाम सत्ता का नया विवाद

अमेरिका के प्रसिद्ध टेलीविजन कार्यक्रम ''60 मिनट्स'' में रविवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन द्वारा किए गए निर्वासन पर वह रिपोर्ट प्रसारित की गयी, जिसे एक महीने पहले अचानक समाचार कार्यक्रम की सूची से हटा दिया

ट्रंप प्रशासन पर '60 मिनट्स' की हटाई गई रिपोर्ट आखिरकार ऑनएयर

गया था। इस फैसले ने राजनीतिक दबाव को लेकर 'सीबीएस न्यूज' के भीतर एक आंतरिक टकराव को जन्म दिया, जो सार्वजनिक रूप से सामने आ गया है। '60 मिनट्स' सीबीएस न्यूज पर ही प्रसारित किया जाता है। संवाददाता शैरिन अल्फॉन्सी ने अल साल्वाडोर की कुख्यात जेल में भेजे गए निर्वासितों पर आधारित अपनी रिपोर्ट

में सीबीएस न्यूज की प्रधान संपादक बैरी वाइस के साथ हुए विवाद का कोई उल्लेख नहीं किया।

21 दिसंबर के एपिसोड से इस रिपोर्ट के हटाए जाने पर अल्फॉन्सी ने अपने '60 मिनट्स' सहयोगियों से कहा था कि यह ''संपादकीय नहीं, बल्कि राजनीतिक फैसला है।'' वाइस का तर्क था कि रिपोर्ट में प्रशासन का पक्ष पर्याप्त रूप से नहीं दिखाया गया और अन्य मीडिया संस्थानों की पहले की रिपोर्टिंग को भी ठीक से शामिल नहीं किया गया।

ईरानी राष्ट्रपति की चेतावनी; खामेनेई पर हमला पूरे ईरान के खिलाफ युद्ध माना जाएगा

तेहरान- ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कड़ी चेतावनी दी है कि अगर ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई पर कोई भी हमला हुआ, तो उसे पूरे ईरानी राष्ट्र के खिलाफ खुला युद्ध माना जाएगा। यह चेतावनी अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ तीखी बयानबाजी के बाद आई है। पेजेशकियन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि हमारे महान नेता पर हमला, ईरान के खिलाफ पूरी जंग जैसा होगा। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है, जब तनाव इसलिए बढ़ गया है क्योंकि ट्रंप ने एक इंटरव्यू में कहा था कि अब ईरान में नए नेतृत्व की जरूरत है। ईरानी राष्ट्रपति लिखा, 'हमारे महान नेता पर कोई भी हमला ईरानी राष्ट्र के खिलाफ पूरी तरह से युद्ध के बराबर होगा।' उन्होंने देश की आर्थिक परेशानियों के लिए अमरीका को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की पुरानी दुश्मनी और अमानवीय प्रतिबंधों की वजह से ईरान की जनता को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

मामला आतिशी के सिख गुरुओं से जुड़े कथित बयान का

पंजाब सरकार की फोरेंसिक लैब की कराऊंगा सी.बी.आई. जांच-दिल्ली स्पीकर

पंजाब डेस्क-दिल्ली विधानसभा में सिख गुरुओं से जुड़े कथित बयान को लेकर आम आदमी पार्टी की विधायक आतिशी पर उठा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस पूरे मामले पर दिल्ली विधानसभा के स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि संबंधित वीडियो क्लिप की तकनीकी जांच करवाई गई थी, जिसमें किसी भी तरह की छेड़छाड़ सामने नहीं आई है। स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि फोरेंसिक जांच के बाद यह पुष्टि हुई है कि वीडियो पूरी तरह प्रामाणिक है। उन्होंने यह भी कहा कि जालंधर की अदालत ने भी अपना आदेश उन्हीं तथ्यों और सबूतों के आधार पर दिया है, जो पुलिस और मोहाली स्थित फोरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की रिपोर्ट में सामने आए थे। वीडियो से जुड़ी जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक कर दिया गया है। इसके साथ ही विजेंद्र गुप्ता ने इस मामले में आगे कहा कि पंजाब सरकार द्वारा करवाई गई फोरेंसिक जांच और पूरी प्रक्रिया को लेकर संदेह बना हुआ है। इसी को देखते हुए उन्होंने इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि, मैं पंजाब सरकार की फोरेंसिक लैब की सी.बी.आई. से जांच करवाऊंगा। स्पीकर ने यह भी जानकारी दी कि आम आदमी पार्टी के अनुरोध पर 8 जनवरी को वीडियो क्लिप को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया था। रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि वीडियो के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने जल्दबाजी में अपनी ओर से अलग फोरेंसिक जांच

बाकी पन्ना नम्बर 2 पर

पार्टी बदलने की चर्चाओं पर चरणजीत चन्नी का दो टूक जवाब

बरनाला- पंजाब कांग्रेस में चल रही अंदरूनी लड़ाई के बीच, पूर्व मुख्यमंत्री और जालंधर से MP चरणजीत सिंह चन्नी का बड़ा बयान सामने आया है। पार्टी बदलने की अफवाहों के बीच चरणजीत चन्नी ने कहा कि वह %कांग्रेस के सिपाही' हैं और हमेशा कांग्रेस का सिपाही रहेंगे। चन्नी बरनाला जिले में शहीद सेवा सिंह ठीकरीवाला की बरसी पर शामिल होने के बाद रिपोर्टरों से बात कर रहे थे। पार्टी बदलने की अटकलों के बारे में सवालों का जवाब देते हुए चन्नी ने कहा कि मैं खुले तौर पर कहता हूं कि अगर चन्नी कभी

पार्टी बदलते हैं, तो लोग उन्हें वोट न दें।

चन्नी ने कहा कि उन्होंने हमेशा जनता की मांग के आधार पर मुद्दे उठाए हैं। जब किसान मुझे बुलाते हैं, तो मैं उनके लिए बोलता हूं। जब पिछड़े वर्ग के लोग मेरे पास आते हैं, तो मैं उनकी चिंताएं उठाता हूं। जब ऊंची जातियों के लोग अपनी शिकायतों का समाधान चाहते हैं, तो मैंने उनके लिए एक कमीशन बनाया। मुख्यमंत्री के तौर पर अपने छोटे से कार्यकाल के दौरान, उन्होंने किसी एक ग्रुप के लिए नहीं, बल्कि सभी समुदायों की भलाई के लिए काम किया है।

ट्रम्प की मनमानियों से बढ़ती नाराजगी

अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दक्षिणी (लातीनी) अमरीका के एक छोटे देश वेनेजुएला पर आक्रमण कर वहां के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को बंधक बनाकर अमरीका ले गये। इस घटना की अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर काफी आलोचना हो रही है। रूस और चीन ने खुलेआम ट्रम्प के इस कृत्य के लिए आलोचना की है। भारत की भी असहमति है। वहीं यूरोपियन संघ के अधिकांश देश उसकी आलोचना कर रहे हैं। अमरीका में भी विरोध का स्वर उठ रहा है। वेनेजुएला के बाद अब क्यूबा और मैक्सिको को भी ट्रम्प ने धमकी देते कहा है कि अमरीका के पड़ोसी क्यूबा, मैक्सिको और दक्षिण अमरीका के देश कोलंबिया के नेताओं का मादुरो जैसा हश्र हो सकता है। ये सभी देश अमरीका के लिए, परेशानियां पैदा कर रहे हैं। मादुरो-सिलिया को न्यूयॉर्क की सबसे बदनाम जेल में रखा गया है। जब विश्वनाथ प्रताप सिंह की अनिश्चित विषय वाली सरकार थी और इन्द्र कुमार गुजराल विदेश मंत्री थे। सरकार ज्यादा लम्बी नहीं चल सकी परन्तु दमखम वाली थी। 1989 में पनामा के राष्ट्रपति मैनुअल नोरिएगा को भी इसी तरह बंधक बनाकर अमरीका ले जाया गया था तब विदेश मंत्री गुजराल ने संसद म

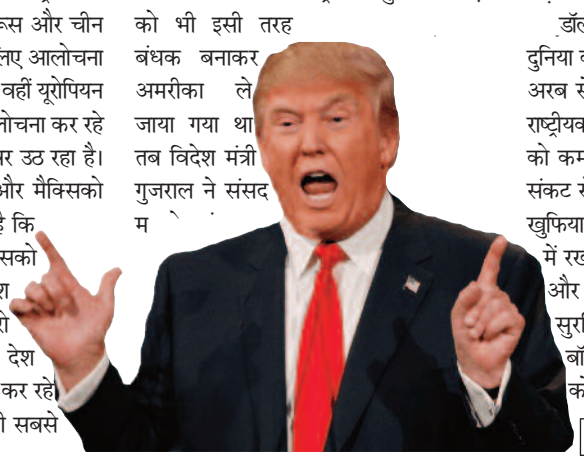

अमरीकी हस्तक्षेप की खुलकर निंदा की थी। यह कार्य भाजपा सरकार करने में हिचकिचाहट में रही। जो ग्यारह महीने नहीं ग्यारह साल से केन्द्र में है। वेनेजुएला पर अमरीकी कार्रवाई की दो बड़ी वजह बताई जा रही हैं तेल का भंडार और डॉलर। वेनेजुएला के पास 303 अरब बैरल, दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार है। यह सऊदी अरब से भी अधिक है। देश ने तेल उद्योग का राष्ट्रीयकरण कर अमरीकी कम्पनियों के प्रभाव को कम कर दिया। बताया गया है कि आर्थिक संकट से जूझ रहे कुछ बॉडीगार्ड्स को अमरीकी खुफिया एजेंसियों ने एक साल से अधिक सम्पर्क में रखा और करोड़ों डॉलर, परिवार की सुरक्षा और नई पहचान का लालच दिया। फिर एक सुरक्षित ठिकाने पर छापा मारा जहां बॉडीगार्ड्स ने प्रतिरोध नहीं किया। मादुरो को 12 मिनट में वहां से निकाल लिया,

बाकी पन्ना नम्बर 2 पर

अब भारतीय 55 देशों में बिना वीजा कर सकते हैं यात्रा!

हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2026 की नई रिपोर्ट सामने आते ही दुनिया भर में पासपोर्ट की ताकत को लेकर बड़ी हलचल मच गई है। इस साल भी एशियाई देशों का दबदबा साफ नजर आ रहा है, लेकिन भारत के लिए भी राहत और उम्मीद की खबर है। इस बार भी सिंगापुर का पासपोर्ट दुनिया का सबसे ताकतवर साबित हुआ है। सिंगापुर के नागरिक 192 देशों में बिना वीजा यात्रा कर सकते हैं। यानी दुनिया का लगभग पूरा नक्शा उनके लिए खुला हुआ है। इसके ठीक बाद जापान और साउथ

बाकी पन्ना नम्बर 2 पर

दुनिया के टॉप 10 सबसे ताकतवर पासपोर्ट

सिंगापुर-192 देश, जापान-188 देश, साउथ कोरिया-188 देश, डेनमार्क, लक्जमबर्ग, स्पेन, स्वीडन, स्विट्जरलैंड-186 देश, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, आयरलैंड, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे-185 देश, हंगरी, पुर्तगाल, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया, यूएई-184 देश।

धीरे-धीरे बढ़ रही है भारत के पासपोर्ट की ताकत

कुल मिलाकर, हेनले पासपोर्ट इंडेक्स यह साफ संकेत देता है कि भारत के पासपोर्ट की ताकत धीरे-धीरे बढ़ रही है। अगर यही रफ्तार बनी रही, तो आने वाले वर्षों में भारतीयों के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्रा और भी आसान, सस्ती और बिना झंझट वाली हो सकती है।

पंजाब की सड़कों पर घूमते बेसहारा पशु बन रहे चलते-फिरते मौत के दूत

गत 5 वर्षों में 700 के करीब लोगों की गई जान

रामपुरा फूल (सत्ता संदेश)-पंजाब की सड़कें, गलियां व चौराहे आजकल केवल यातायात का साधन नहीं रहे, बल्कि यह हर पल मंडराती मौत का ठिकाना बन चुके हैं। प्रदेश में बेसहारा पशुओं की समस्या ने एक गम्भीर जनतक संकट का रूप धारण कर लिया है, जहां एक तरफ यह समस्या शहरों. की सुंदरता को ग्रहण लगा रही है, वहीं आम लोगों के जान-माल व किसानों की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा खतरा बनी हुई है। स्थिति की गम्भीरता का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि प्रदेश में लगभग 1.5 लाख से 2 लाख के करीब बेसहारा पशु खुलेआम घूम रहे हैं। सरकारी व गैरसरकारी रिपोर्ट के अनुसार पिछले 5 वर्ष में बेसहारा पशुओं के कारण हुए सड़क हादसों में 700 के करीब लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। विशेष तौर पर रात के समय सड़क के बीच बैठे पशु वाहन चालकों को दिखाई नहीं देते, जो भयानक हादसों का कारण बनते हैं। लुधियाना और बठिंडा जैसे बड़े शहरों में ट्रैफिक जाम व एम्बुलेंसों के रास्ते में रुकने का यह एक मुख्य कारण हैं। शहरों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी हालात चिंताजनक हैं । किसान, जो पहले ही प्राकृतिक आपदाओं की मार झेल रहा है, अब इन बेसहारा पशुओं के कारण बर्बाद हो रहा है। पशुओं के झुंड रातो-रात फसलें बर्बाद कर देते हैं। अपनी फसल बचाने के लिए किसानों को खेतों के आसपास महंगी कंटीली तारें लगानी पड़ रही हैं, जोकि उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रही हैं। हैरानी की बात यह है कि पंजाब सरकार बिजली बिलों, शराब व नए वाहनों की रजिस्ट्रेशन पर गऊ सैस वसूलती है। रिपोर्ट के अनुसार सरकार के खजाने में गऊ सैस के रूप में 180 करोड़ रुपये से अधिक जमा हैं। स्थानीय इकाइयों ने पिछले वर्षों में 85.92 करोड़ रुपये खर्च करने का दावा भी किया है परंतु ज़मीनी हकीकत कुछ और ही बयान करती है। हालांकि, ग्रामीण विकास विभाग ने 20 सरकारी पशु पाऊंडों में 77 नए शैड बनाने का काम किया है परंतु यह समुद्र में एक बूंद के समान है। यह मामला केवल इंसानों की सुरक्षा का नहीं बल्कि जानवरों की दुर्दशा का भी है। भूखे पशु कूड़े के ढेरों में से प्लास्टिक की थैलियां खाने के लिए मजबूर हैं, जिससे उनकी दर्दनाक मौत होती है। कूड़ा बिखेरने के कारण शहरों में गंदगी व छूत की बीमारियां फैलने का डर भी बना रहता है।

समस्या का समाधान सरकारी बयानों से नहीं होगा

बढ़ते रोष को देखते हुए सरकार ने अब 31 मार्च तक अधिक से अधिक पशुओं को गौशालाओं में भेजने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया है। आम लोगों की सुविधा के लिए 24 घंटे चलने वाला नम्बर जारी किया गया है। पंजाब सरकार द्वारा जानवरों के हमलों व हादसों के पीड़ितों के लिए मुआवजा नीति-2023 के तहत हादसों के पीड़ितों को वित्तीय सहायता देने का उपबंध भी किया गया है। बेसहारा पशुओं की समस्या का समाधान केवल सरकारी फाइलों या बयानों से नहीं होगा। यदि करोड़ों रुपये के फंड होने के बावजूद सड़कों पर खून बह रहा है तो यह प्रशासनिक ढांचे पर बड़ा सवाल है। जरूरत है कि सरकार, सामाजिक संस्थाएं व आम नागरिक मिलकर इस गम्भीर मामले का स्थाई समाधान निकालें ताकि सड़कों पर सफर सुरक्षित हो सके और बेजुबानों को आसरा मिल सके।

राज्य भर के डिफॉल्टर प्लॉट अलॉटियों को मिली बड़ी राहत

जालंधर/चंडीगढ़ (सत्ता संदेश)-पंजाब के आवास एवं शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां ने आज कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने एमनैस्टी पॉलिसी-2025 की अवधि में तीन महीने का विस्तार देते हुए एक बड़ा जनहितैषी कदम उठाया है, जिससे राज्य भर के डिफॉल्टर प्लॉट अलॉटियों को बड़ी राहत मिली है। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि मंत्रिमंडल ने आवास एवं शहरी विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत आबंटित और नीलाम किए गए प्लॉटों के लिए एमनेस्टी पॉलिसी-2025 की समय-सीमा बढ़ाने को मंजूरी दे दी है। इस फैसले के साथ विकास प्राधिकरणों के डिफॉल्टर अलॉटियों को इस नीति के तहत 31 मार्च, 2026 तक आवेदन करने का नया अवसर मिला है। पात्र आवेदकों को संबंधित विकास प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत तिथि से 3 महीनों के भीतर बकाया राशि जमा करनी होगी और आवेदन नई घोषित तिथि तक या उससे पहले जमा किए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि कई परिवार और संस्थाएं बकाया राशि बढ़ जाने और दफ्तरों की प्रक्रिया में देरी के कारण कठिनाइयों का सामना कर रही थीं। इस योजना की समय-सीमा बढ़ने से उन्हें अपनी संपत्तियों को नियमित कराने और सभी प्रकार के लेन-देन को पूरा करने का व्यावहारिक अवसर मिला है।

अब जालंधर में सरकारी स्थानों पर नहीं नजर आयेगी पोस्टरबाजी

पोस्टर लगाने पर होगी सख्त कार्रवाई, तांत्रिक के पोस्टर से मचा बवाल

जालंधर (सत्ता संदेश)-सरकारी डिवाइडरों पर पोस्टर लगाकर शहर की सुदंरता बिगाड़ने वाले वालों के खिलाफ पुलिस ने अब सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। इस मामले में थाना 2 की पुलिस ने पोस्टर लगाने वालों पर केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक पंजाब केसरी की खबर के बाद नगर निगम अधिकारियों की तरफ से पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखा गया और तांत्रिक के खिलाफ एक्शन लेने को कहा था, जिसमें कहा गया कि कपूरथला रोड के पास सरकारी स्थान पर प्राइवेट पोस्टर लगे हुए है। जांच के बाद थाना 2 की पुलिस ने पोस्टर पर लिखे नाम बाबा सरताज खान के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। थाना 2 के एस.एच.ओ. जसविंदर सिंह गिल ने कहा कि सरकारी स्थानों पर प्राइवेट एडवर्टाइजमेंट करने हेतु पोस्टर लगवाने वालों के खिलाफ पुलिस पुरी सख्त करेगी। उन्होंने कहा कि सरकारी स्थानों पर ऐसे पोस्टर, बैनर लगाकर एड न करे। वही पोस्टर पर लिखे मोबाइल

नंबर पर बात की गई तो बाबा का कहना था कि वह तांत्रिक व ज्योतिष का काम करते हैं, उनके पास काम करने वालों ने पोस्टर लगाए थे और वह अब काम छोड़ कर चले गए। बाबा के मुताबिक उन्हें नगर निगम स्टाफ से भी फोन आया था कि अपने पोस्टर उतरवा लो। इस पर उन्होंने पूरे शहर से सभी पोस्टर उतरवा लिए गये हैं। गौर हो समाज सेवक एवं कैमस्ट्री गुरु प्रो. एम.पी. सिंह ने यह मामला तहबाजारी सुपरिंटैंडैंट मनदीप मिट्ठू के समक्ष उठाया था और दोनों ने मौके पर जाकर डिवाइडरों को भी चैक किया था। मनदीप मिट्ठू ने भी लोगों से अपील की कि वह सरकारी स्थानों पर अपनी पोस्टर न लगाएं क्योंकि यह गैरकानूनी है।

गुरुग्राम में लॉटों की खरीद-फरोख्त व क्रिप्टो में निवेश के नाम पर लोगों के नाम से फर्जीवाड़ा करने के 4 आरोपियों की करोड़ों की संपत्ति कुर्क

ईडी रेड कर क्रिप्टो वॉलेट में 17 करोड़ और बैंक खातों में जमा 46 लाख रुपए भी फ्रीज करवा चुकी है आरोपियों के

चंडीगढ़ (सत्ता संदेश)-हरियाणा के गुरुग्राम में प्लॉटों की खरीद-फरोख्त व क्रिप्टो में निवेश के नाम पर लोगों से फर्जीवाड़ा करने वाले 4 आरोपियों के खिलाफ ईडी ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। चंडीगढ़ ईडी की जोनल जांच टीम ने गुरुग्राम में धोखाधड़ी की धाराओं के तहत दर्ज मामले में नामजद आरोपी संदीप यादव, मनोज यादव और मोहन शर्मा समेत अन्य के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करीब 10.86 करोड़ रुपए की चल-अचल संपत्तियों को कुर्क किया है। इनमें 6.06 करोड़ रुपए के फ्लैट और जमीन समेत शामिल टोकन में जमा 4.79 करोड़ रुपए फ्रीज करवाए हैं। दरअसल गुरुग्राम में वर्ष 2025 में पुलिस ने संदीप, मनोज व अन्य के खिलाफ फ्लैट की खरीद-फरोख्त को लेकर धोखाधड़ी व अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। इससे पहले भी इनके खिलाफ क्रिप्टो में निवेश के नाम पर मामले दर्ज थे, लेकिन इसी दौरान मामले में चंडीगढ़ ईडी की जोनल टीम ने भी हरियाणा पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफ.आई.आर. के आधार पर इन आरोपियों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग को लेकर जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि इन आरोपियों ने अपने साथियों के साथ मिलकर गुरुग्राम व अन्य जगहों पर करीब 35 से 40 लोगों के साथ क्रिप्टो और फ्लैट के नाम पर फर्जीवाड़ा किया। अगस्त, 2025 में ईडी ने इन आरोपियों के गुरुग्राम में स्थित 4 ठिकानों पर रेड करके धन शोधन निवारण अधिनियम 2002 के तहत मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े कई अहम दस्तावेज और डिजिटल उपकरण बरामद किए। इसके अलावा 17 बैंक खातों को फ्रीज करवाया गया जिनमें करीब 42 लाख रुपए जमा थे। इस कार्रवाई के दौरान ईडी ने इन आरोपियों की करीब 15 करोड़ रुपए से अधिक की चल-अचल संपत्तियां भी चिन्हित की जिनके दस्तावेज जांच टीमें अपने साथ ले गई थी। जांच में सामने आया कि इन आरोपियों ने 30 करोड़ से अधिक की ठगी की थी। मंगलवार को कार्रवाई करते हुए जांच टीम ने आरोपियों के क्रिप्टो वॉलेट में रखे रामिल टोकन की कीमत 4.79 करोड़ रुपए जबकि 6.06 करोड़ रुपए के फ्लैट और जमीन अटैच किए गए। ईडी की जांच में

सामने आया कि गुरुग्राम के सेक्टर-15 पार्ट-2 निवासी एक दाना कारोबारी से आरोपियों ने पिछले साल 2025 में करीब 4 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की। शिकायत के आधार पर 10 लोगों के खिलाफ शिवाजी नगर थाने में धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया और इसके बाद मामला ईडी के पास पहुंचा। ईडी की जांच में सामने आया कि आरोपी मनोज यादव व संदीप यादव ने मानेसर में ऑटो पार्ट और प्लास्टिक बनाने की कंपनी लगाई हुई थी। फरवरी 2021 में दोनों आरोपी शिकायतकर्ता मनोज लांबा की फर्म में गए और उसे 900 गज का प्लॉट महज साढ़े 7 करोड़ रुपए में दिलवाने की बात कही। उन्होंने कहा कि उनके पास पैसे नहीं है, इसलिए वह इस बड़े प्लॉट को खरीदें। दोनों लोगों ने हल्का पटवारी से प्लॉट के कागज भी दिखाए। इसके बाद संदीप और मनोज यादव के कहने पर कथित रूप से अर्श डेवलपर्स से प्लॉट की सात करोड़ 30 लाख रुपए में डील कर ली। मनोज यादव के कहने पर अप्रैल 2021 में इकरारनामा के रूप में डेढ़ करोड़ रुपए नकद और 50 लाख रुपए बैंक खाते में जमा कराए। अक्टूबर 2021 में रजिस्ट्री की बात तय हुई। इसके बाद फिर से जल्द रजिस्ट्री करवाने का झांसा देकर उससे कुल 4 करोड़ रुपए ले लिए। लेकिन जब शिकायतकर्ता कारोबारी अक्टूबर 2021 में सिकंदरपुर घोषी स्थित प्लॉट देखने गया तो पता चला कि यहां तो एसकेएन हरियाणा सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन एजेंसी प्लॉट पर निर्माण करवा रही थी। पूछताछ करने पर पता चला कि यह प्लॉट एजेंसी ने 2019 में ही अर्श डेवलपर्स से खरीदा था। इसके बाद प्लॉट के नाम पर फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ और पुलिस को शिकायत देकर केस दर्ज करवाया गया। इसके अलावा भी इन आरोपियों ने अन्य लोगों के साथ मिलकर इसी तरह से प्लॉटों की खरीद-फरोख्त व क्रिप्टो में पैसे इन्वेस्ट करके अधिक मुनाफा दिलवाने का झांसा देकर ठगी की। इस मामले में ईडी की जांच अभी जारी है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता की दौड़ में चीन जीतेगा- ब्रिटिश मीडिया

आर्थिक मामलों के स्तंभकार तेज पर्रिक द्वारा 18 जनवरी को फाइनेंशियल टाइम्स में प्रकाशित एक टिप्पणी में तर्क दिया गया है कि एआई की दौड़ को मैराथन के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि सबसे शक्तिशाली मॉडल खोजने के लिए स्प्रिंट के रूप में, और चीन के प्रचुर ऊर्जा संसाधन, ओपन-सोर्स मॉडल और विनिर्माण लाभ इसे एआई की दौड़ में बढ़त दिलाएंगे।

पंजाब कांग्रेस के लिए हाईकमान की ओर से नया दिशा-निर्देश जारी

राजा वडिंग द्वारा 'मनरेगा संग्राम' अभियान संबंधी सभी नेताओं को संदेश जारी

पंजाब कांग्रेस संगठन को लेकर पार्टी हाईकमान की ओर से एक नया दिशा-निर्देश जारी किया गया है। पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रधान और लुधियाना से सांसद अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने इस संबंध में राज्य के सभी नेताओं और कार्यकर्त्ताओं को संदेश भेजते हुए बताया कि 'मनरेगा संग्राम' अभियान को आगे भी सक्रिय रूप से चलाया जाएगा।

राजा वडिंग के अनुसार, हाईकमान के ताजा सर्कुलर के तहत कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता 16 जनवरी से 25 जनवरी तक गांव-गांव जाकर मनरेगा मजदूरों से सीधा संवाद करेंगे। इस कार्यक्रम के जरिए ग्रामीण इलाकों में मनरेगा से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह पहल सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के निर्देशों पर शुरू की गई है, जिसमें नेताओं की सक्रियता और कार्यशैली का भी आकलन किया जाएगा। नए निर्देशों के मुताबिक प्रत्येक नेता को अपने क्षेत्र के कम से कम 10 गांवों में जाना अनिवार्य होगा। हर गांव में रोजाना 200 से

250 लोगों के साथ बैठकें आयोजित की जाएंगी। इन बैठकों में केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा कानून में किए गए बदलावों की जानकारी दी जाएगी और यह समझाया जाएगा कि इन परिवर्तनों से मजदूरों पर क्या असर पड़ रहा है। अभियान के दौरान ऐसे मजदूरों की पहचान करने पर भी जोर दिया जाएगा, जिन्हें जॉब कार्ड होने के बावजूद काम नहीं मिल पा रहा है। जिन लोगों के जॉब कार्ड किसी और के पास हैं, उन्हें वापस दिलाने में भी मदद की जाएगी। इसके साथ ही ग्राम सभाओं के जरिए नए मनरेगा नियमों के खिलाफ प्रस्ताव पारित कर जिला और प्रदेश नेतृत्व को सौंपने की योजना है।

पंजाब के मुख्यमंत्री में लोगों का सामना ....

पन्ना 1 का बाकी हिस्सा

मुख्यमंत्री–जो स्वयं गृह मंत्री भी हैं, में जनता का सामना करने का साहस नहीं है। सुखबीर बादल ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार को घेरते हुए कहा कि आज कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है, जवाबदेही गायब है और शासन केवल पुलिस ब्रीफिंग तक सीमित रह गया है। अकाली दल अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि जब पंजाब में खून-खराबा हो रहा है, तब अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाले शासन के नामजद मुख्यमंत्री स्टैंड-अप कॉमेडी के जरिए लोगों का मनोरंजन कर रहे हैं। सुखबीर सिंह बादल ने सोशल मीडिया पर भगवंत मान का एक कार्टून भी सांझा किया है।

अब भारतीय 55 देशों में बिना वीजा कर ...

पन्ना 1 का बाकी हिस्सा

कोरिया हैं, जिनके पासपोर्ट से 188 देशों में वीजा-फ्री एंट्री मिलती है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) इस साल खास चर्चा में रहा। यूएई का पासपोर्ट टॉप रैंकिंग में मजबूती से आगे बढ़ते हुए पांचवें स्थान तक पहुंच गया है, जो उसकी बढ़ती वैश्विक पकड़ को दिखाता है। भारत के लिए भी यह रिपोर्ट अच्छी खबर लेकर आई है। भारतीय पासपोर्ट ने इस बार पांच पायदान की छलांग लगाई है। भारत अब 80वें स्थान पर पहुंच गया है और इस रैंक पर अल्जीरिया के साथ बराबरी करता है। पहले भारत की रैंकिंग 85वीं थी। अब भारतीय नागरिक 55 देशों में बिना पहले से वीजा लिए यात्रा कर सकते हैं। इसमें वीजा-फ्री, वीजा ऑन अराइवल और इलैक्ट्रॉनिक ट्रैवल ऑथराइजेशन (ई.टी.ए.) जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इस बढ़ी हुई पासपोर्ट ताकत का सीधा फायदा भारतीय यात्रियों को मिलेगा। एशिया, अफ्रीका, ओशिनिया, कैरेबियन और मिडिल ईस्ट के कई देशों में अब यात्रा पहले से ज्यादा आसान हो गई है।

वीजा-फ्री जाने वाले प्रमुख देशों में थाईलैंड, मलेशिया, मॉरीशस, नेपाल, बारबाडोस, फिजी, सेंट विंसेंट एंड द ग्रेनेडाइंस आदि शामिल हैं। इसके अलावा वीजा ऑन अराइवल या ई.टी.ए. वाले देशों में इंडोनेशिया, मालदीव, श्रीलंका, केन्या, जॉर्डन, फिलीपींस समेत कई अन्य देश शामिल हैं।

ट्रम्प की मनमानियों से बढ़ती नाराजगी

पन्ना 1 का बाकी हिस्सा

लेकिन धर पकड़ लूट का यह तरीका जायज नहीं कहा जा सकता। ऐसे तो छोटे देश मरने के लिए तैयार रहें। कमला हैरिस पूर्व उप-राष्ट्रपति अमरीका ने इस कार्रवाई का विरोध करते हुए कहा-यह तरीका अवैध और असमझदारी भरा बताया है। इस तरह की कार्रवाई से क्षेत्र अस्थिर हो सकता है। हमें इतिहास से सीखना चाहिए कि 'तेल या शासन परिवर्तन' के नाम पर हस्तक्षेप अराजकता लाता है न कि शांति। इस पर भी ट्रम्प अपने आपको नोबेल शांति पुरस्कार के पहले हकदार मानते हैं। ट्रम्प पहले कार्यकाल में भी मादुरो से नाराज रहे थे बाद में उनकी गिरफ्तारी का इनाम बढ़ाते हुए 5 करोड़ डॉलर कर दिया। मादुरो ने इसकी प्रतिक्रिया में चीन से तेल और रूस से हथियार खरीद की नीति अपनाई जिससे ट्रम्प की नाराजगी और बढ़ गई। माना जा रहा है वेनेजुएला सरकार के अंदर के लोगों ने ही बड़ी इनामी राशि के लालच में अमरीकी सेना को मादुरो के महल तक पहुंचा दिया, लेकिन अगर ड्रग का धंधा चलाने की यह सजा है तो जिस पाकिस्तान को सबूत सहित यू.एन. से लेकर स्वयं अमरीका ने आतंकी पनाहगार माना है, उसके सबसे मुखर चेहरे मुनीर को किस जेल में होना चाहिए। मुनीर को पाकिस्तान का अघोषित तानाशाह बनने में मदद किस प्रजातांत्रिक मूल्य की रक्षा कही जाएगी? दूसरे अब आप रूस के यूक्रेन पर हमले या चीन के ताइवान पर दावे को कैसे गलत ठहरा सकते हैं। जाहिर सी बात है कि ट्रम्प के इस कदम की विश्व भर में निंदा होने लगी है। ट्रम्प इस पर विचार भी नहीं कर रहे।

पंजाब मामलों के प्रभारी भूपेश बघेल करेंगे कार्यक्रम की निगरानी

इस पूरे कार्यक्रम की निगरानी पंजाब मामलों के प्रभारी भूपेश बघेल करेंगे। नेताओं को अपने कार्यक्रमों की तस्वीरें और वीडियो जिला अध्यक्षों को भेजने होंगे, जो आगे प्रदेश अध्यक्ष के माध्यम से पार्टी नेतृत्व तक पहुंचाए जाएंगे। राजा वारिंग ने कार्यकर्ताओं से अपील की है कि इस अभियान को केवल औपचारिकता न बनाकर गंभीरता से लिया जाए, ताकि ग्रामीण स्तर पर पार्टी का संदेश प्रभावी ढंग से पहुंच सके और संगठन को मजबूती मिले।

मुक्तसर की धरती पर भाजपा ने पहली बार राजनीतिक कॉन्फ्रेंस कर दिखाई अपनी ताकत

पंजाब में नशे व घटिया कानून व्यवस्था को लेकर घेरा 'आप' सरकार को

श्री मुक्तसर साहिब (सत्ता संदेश)-भारतीय जनता पार्टी ने पहली बार माघी मेले में मुक्तसर की धरती पर कांफ्रेंस कर अपनी ताकत दिखाई। पार्टी के नेताओं ने 40 मुक्तों को नमन करते हुए नशे, गैंगस्टरवाद, कानून-व्यवस्था पर 'आप' सरकार को घेरा और पंजाब में डबल इंजन की सरकार बनाने की अपील की। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि पंजाब और हरियाणा सिर्फ पड़ोसी राज्य ही नहीं हैं, बल्कि दोनों संस्कृति, इतिहास और खून के रिश्ते जोड़ते हैं। बाढ़ के समय जब पंजाब पर संकट आया तो हरियाणा के लोग दिल खोलकर मदद के लिए आगे आए, लेकिन आप सरकार नजर नहीं आई। जिस व्यक्ति को पंजाब के लोगों ने मुख्यमंत्री बनाया था, तब वह अस्पताल में भर्ती हो गया। मुक्तसर की ऐतिहासिक धरती को नमन करते हुए सैनी ने कहा कि पंजाब में डबल इंजन की सरकार

लाएं हरियाणा की तरफ सभी वादे पूरे किए जाएंगे। उन्होंने आम आदमी पार्टी पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि आप सरकार को चार साल हो गए, पर वादे पूरे नहीं हुए। सैनी ने कहा कि आयुष्मान योजना पंजाब में लागू नहीं होने दी जा रही, जबकि हरियाणा में गरीबों को स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब की पंचायतों में मनरेगा में भ्रष्टाचार हुआ है। भाजपा के हमीरपुर से सांसद अनुराग ठाकुर ने गुरु गोबिंद सिंह, चालीस मुक्तों व माता भाग कौर को नमन करते हुए संबोधन शुरू किया। उन्होंने कहा कि पंजाब को बचाने के लिए हम सभी को एक होकर लड़ना होगा। पंजाबियों को पांच फ्रंट पर लड़ाई लड़नी पड़ेगी। पंजाब को नशा, गैंगस्टरवाद, करप्शन, कंपनी से मुक्ति दिलानी है। उन्होंने कहा कि आप लोग भाजपा की सरकार बनाएं पंजाब को से अपील की कि वह गुरुओं का सही दिशा में लाएंगे। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग ने आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए। 1984 के सिख नरसंहार का हवाला देते हुए तरुण चुग ने कहा कि कांग्रेस ने वर्षों तक दोषियों को बचाया, लेकिन 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मामले फिर से खोले गए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू हुई। उन्होंने कांग्रेस के मौजूदा हुई। उन्होंने कांग्रेस के मौजूदा पंजाबी नेताओं से इस मुद्दे पर पंजाबी नेताओं से इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण भी मांगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि वह गुरुओं का अपमान करने वाली ताकतों को सत्ता से बाहर करें। केंद्रीय राज्य रेल मंत्री रवनीत बिट्टू ने आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और अकाली दल पर तीखे हमले किए। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों चाहे कांग्रेस हो या अकाली दल की। इनके कार्यकाल में बेअदबी करने वालों, लूटपाट और नशे का कारोबार करने वालों को कभी सजा नहीं मिली और आज आम आदमी पार्टी भी उसी राह पर चल रही है। बिट्टू ने कहा कि देश और पंजाब की तरक्की के लिए डबल इंजन सरकार जरूरी है। भाजपा पंजाब अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने कहा कि यदि मुख्यमंत्री भगवंत मान को अपनी पुलिस पर भरोसा होता तो दिल्ली की पूर्व सीएम आतिशी को मुक्तसर में मंच पर बुलाते और सार्वजनिक माफी मंगवाते । इस मौके पर राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा, अविनाश राय खन्ना, प्रदेश संगठन मंत्री श्रीनिवासुलु, दयाल सिंह सोढ़ी, अनिल सरीन, राकेश राठौर, परमिंदर सिंह बराड़, मनप्रीत बादल, परनीत कौर तीक्ष्ण सूद आदि मौजूद थे।

पंजाब को रंगला बनाने का वायदा करने वालों ने ही पंजाब को कंगला बना दिया-शर्मा

भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने राज्य सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा कि जिन लोगों ने पंजाब को रंगला बनाने का वादा किया था, उन्होंने राज्य को कंगाल बना दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब में कानून-व्यवस्था बदहाल है और हर दिन गोली चलने की खबरें सामने आ रही हैं। सरेआम हत्या की जा रही है। यह सरकार अपने ही विधायक के भतीजे और सरपंचों को सुरक्षा नहीं दे पा रही तो फिर आम लोगों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित करेगी।

रोटारैक्ट क्लब के सदस्यों ने तेरी ओट दिव्यांग संस्था का दौरा किया और एनजीओ के शारीरिक रूप से अक्षम बच्चों के साथ लोहड़ी का त्योहार मनाया

लुधियाना (सत्ता संदेश) छात्रों ने अपनी पॉकेट मनी से धनराशि एकत्र की और एनजओ के बच्चों के लिए विभिन्न मिठाइयाँ, पॉपकॉर्न और अन्य खाने की चीजें लीं छात्रों ने लोहड़ी का अलाव जलाया, इन बच्चों के साथ नृत्य किया और उनके मासूम चेहरों पर मुस्कान देखकर बहुत खुश हुए। अलाव ने न केवल उन्हें बाहरी गर्मी दी है, बल्कि उनके दिलों को अंदर से भी भर दिया। ये पहल छात्रों में समाज के प्रति कृतज्ञता और अपनेपन की भावना पैदा करती है। छात्रों को इन बच्चों के सामने आने वाली वास्तविक दुनिया की चुनौतियों को देखने का मौका मिलता है और वे अपने मानसिक तनाव को कम करने में भी योगदान देते हैं। रोटारैक्ट क्लब के प्रमुख डॉ. आंचल अरोड़ा ने तेरी ओट एनजीओ की संस्थापक मैडम इकबाल कौर को इस तरह के और दौरे करने का आश्वासन दिया। प्रिंसिपल डॉ. कमलजीत ग्रेवाल ने इस तरह के महत्वपूर्ण आयोजन करने के लिए क्लब के छात्रों और शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की।

डीसीएम यस स्कूल के छात्र तक्षिल जैन ने नेशनल रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीतकर किया स्कूल का नाम रोशन

लुधियाना (सत्ता संदेश)- डीसीएम यंग एंटरप्रेन्योर्स स्कूल की तीसरी कक्षा के छात्र तक्षिल जैन ने 63वीं नेशनल रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीतकर स्कूल, परिवार और शहर का नाम रोशन किया है। यह राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में आयोजित की गई थी।

इस प्रतियोगिता में देशभर के 20 से अधिक राज्यों से 1600 से ज्यादा खिलाड़ियों ने भाग लिया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच तक्षिल जैन ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन, मेहनत और लगन के दम पर यह उपलब्धि हासिल की।

स्कूल की प्रिंसिपल मीनू चोपड़ा ने तक्षिल को इस शानदार सफलता पर बधाई दी और कहा कि उसकी मेहनत, अनुशासन और खेल भावना अन्य छात्रों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने तक्षिल के माता-पिता और कोच का भी धन्यवाद किया, जिनके सहयोग और मार्गदर्शन से यह सफलता संभव हो पाई।

स्कूल प्रबंधन और स्टाफ ने तक्षिल जैन को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ब्रिक्स देशों की यूनिवर्सिटियों के भोजन सुरक्षा व स्थिर कृषि समूह में पी.ए.यू. शामिल

वीसी बोले, इससे विश्व स्तर पर अकादमिक सहयोग से नए मार्ग खुलेंगे

लुधियाना (सत्ता संदेश)-विश्व स्तर पर सतत कृषि और खाद्य सुरक्षा जैसी प्रमुख चुनौतियों से निपटने के उद्देश्य से गठित ब्रिक्स देशों के विश्वविद्यालय नैटवर्क में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पी.ए.यू.), लुधियाना को शामिल किया गया है। इसके साथ ही पी.ए.यू. ब्रिक्स देशों के उन चुनिंदा उच्च शिक्षण संस्थानों में शामिल हो गया है, जो संयुक्त रूप से बहु-विषयक शोध, शिक्षा और नवाचार के लिए मिलकर कार्य करेंगे। ब्रिक्स देशों के विश्वविद्यालयों का यह नैटवर्क ब्रिक्स इंटरनैशनल गवर्निंग बोर्ड द्वारा मई 2025 में स्वीकृत किया गया था। भारत की ओर से प्रत्येक थीमैटिक समूह के लिए दो संस्थानों का चयन किया गया, जिसमें खाद्य सुरक्षा और सतत कृषि समूह के लिए पी.ए.यू. को विशेष स्थान मिला। कृषि विज्ञान और ग्रामीण आजीविका के क्षेत्र में पी.ए.यू. के दीर्घकालिक राष्ट्रीय योगदान को देखते हुए इसे इस अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय नैटवर्क का हिस्सा बनाया गया है।

उल्लेखनीय है कि पी.ए.यू. देश की एकमात्र कृषि विश्वविद्यालय है, जिसे इस नैटवक्र में शामिल किया गया है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि वर्ष 2026 में भारत ब्रिक्स देशों की अध्यक्षता संभालने जा रहा है। पी.ए.यू. का इस नैटवर्क में शामिल होना भारतीय कृषि के क्षेत्र में पिछले 6 दशकों से किए गए विश्वविद्यालय के योगदान की वैश्विक स्तर पर मान्यता के रूप में देखा जा रहा है। इस अवसर पर पी. ए. यू. के कुलपति डॉ. सतबीर सिंह गोसल ने कहा कि ब्रिक्स देशों के विश्वविद्यालय नेटवर्क का हिस्सा बनना विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है और इससे वैश्विक स्तर पर उसकी जिम्मेदारियां भी बढ़ेंगी। उन्होंने कहा कि इससे पी.ए.यू. के विद्यार्थियों और शिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय कृषि वैज्ञानिक प्रणाली से जुड़ने का अवसर मिलेगा और विकिसत देशों की शोध उपलिब्धयों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप अपनाने में मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय ने संस्थागत संपर्क के सहयोगी निदेशक डॉ. विशाल बैक्टर को इस नैटवर्क से संबंधित गतिविधियों की जिम्मेदारी सौंपी है।

गायक मनकीरत औलख ने बाढ़ पीड़ितों से किया वायदा पूरा किया

कबड्डी खिलाड़ियों को सौंपी दो नई कारें

पंजाब में अगस्त 2025 में आई भीषण बाढ़ ने कई लोगों को भारी नुकसान पहुंचाया, लेकिन इस मुश्किल घड़ी में पंजाबी गायक

मनकीरत औलख ने अपनी दरियादिली का परिचय दिया। बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए औलख और उनके दोस्तों ने करोड़ों रुपये की मदद दी थी और उन्होंने व्यक्तिगत तौर पर प्रभावित परिवारों के लिए राहत कार्य किए थे, लेकिन अब मनकीरत औलख ने एक और वायदा पूरा किया है। उन्होंने बाढ़ पीड़ित कबड्डी खिलाड़ियों को न केवल उनके घर बनाने में मदद की, बल्कि उनके जीवन के इस खास पल में उनके लिए नई कारें भी दी। ये कारें उन्होंने नए साल के आगमन पर सौंपी गईं। मनकीरत औलख ने मानसा की तीन प्रमुख कबड्डी खिलाड़ियों को नई कारों का तोहफा दिया। इन खिलाड़ियों में राजनदीप शर्मा और जस शर्मा को स्विफ्ट कार दी गई, जबकि जुझार सिंह को आई-20 कार का तोहफा दिया। यह खास पल मोहाली के गुरुद्वारा सिंह शहीदां में आयोजित एक समारोह में हुआ, जहां मनकीरत ने इन खिलाड़ियों को गाडियों की चाबी सौंपी। गौरतलब है कि जब बाढ़ आई थी, तो मानसा के कबड्डी खिलाड़ियों ने सोशल मीडिया पर अपने घरों की स्थिति का वीडियो अपलोड किया था और मदद की गुहार लगाई थी। इस वीडियो को देखकर मनकीरत औलख खुद प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे थे और इन खिलाड़ियों की मदद के लिए पांच लाख रुपये दिए थे। इसके अलावा, उन्होंने शादी पर कार देने का वादा किया था, जिसे अब उन्होंने पूरा किया।

ये मदद हम कभी नहीं चुका सकते

मनकीरत औलख ने 15 दिसंबर को सोहाना में कबड्डी कप के दौरान इन खिलाड़ियों को कार देने का वायदा किया था, लेकिन उस दिन एक दुखद घटना घटी-कबड्डी प्रमोटर राणा बलाचौरिया की हत्या। इस वजह से कार्यक्रम को टालना पड़ा, लेकिन अब, इस वायदे को निभाते हुए कारें दी गईं। इस मौके पर कबड्डी खिलाड़ी ने कहा, भाई ने हमें घर बनाने के लिए मदद की थी, और अब हमें कार भी दी है। ये मदद हम कभी नहीं चुका सकते।

क्या कहा मनकीरत औलख ने

मनकीरत औलख ने इस मौके पर कहा, हम पंजाब के युवाओं के लिए हमेशा खड़े हैं। बाढ़ पीड़ितों को ट्रैक्टर देने का वादा किया था, अब तक 51 ट्रैक्टर दिए हैं। 700 ट्रैक्टर देने का सवाल है, तो इसके लिए मुझे प्रधानमंत्री बनना पड़ेगा!

प्रसाद खाने से 50 के करीब लोग तबीयत खराब होने पर अस्पताल में भर्ती

लुधियना (सत्ता संदेश)-जिले में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब लंगर खाने से लोगों की तबीयत बिगड़ गई। जानकारी के मुताबिक, मकर सक्रांति के अवसर पर एक गुरुद्वारे में आयोजित लंगर के बाद कई श्रद्धालुओं की तबीयत अचानक बिगड़ गई। भोजन करने के कुछ समय बाद लगभग 50 लोगों को उल्टी, दस्त और चक्कर आने की शिकायत हुई, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में पहुंचाया गया। यह घटना अयली खुर्द इलाके में स्थित गुरुद्वारा साहिब की है, जहां पर्व के मौके पर हर साल की तरह इस बार भी धार्मिक आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और प्रसाद ग्रहण किया। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने मामले की जानकारी लेकर जांच शुरू कर दी है ताकि बीमार होने की वजह का पता लगाया जा सके। अब

तक की मिली जानकारी के अनुसार प्रसाद में गाजर का हलवा था, जिसे खाने से श्रद्धालुओं की तबीयत बिगड़ गई। अस्पताल में इलाज करा रहीं बुजुर्ग महिला मंजीत कौर ने बताया कि वे गुरुद्वारा साहिब से गाजर का हलवा घर लेकर आई थीं। घर के सभी सदस्यों ने प्रसाद के रूप में हलवा खाया था। उनके अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति ने करीब 3 चम्मच हलवा ग्रहण किया, जिसके एक घंटे बाद उन्हें उल्टियां होने लगीं और तबीयत बिगड़ती चली गई। इस संबंधी जानकारी देते हुए डाक्टरों का कहना है कि, अयाली में स्थित गुरुद्वारा में मकर संक्रांति के मौके पर समागम चल रहा था। इस दौरान करीब 35-40 के लोग आए हुए थे, जिनमें कई बच्चे व बुजुर्ग भी शामिल थे। लंगर का प्रसाद खाने से लोगों को फूड पॉइजनिंग हो गई, जिस कारण उनकी तबीयत बिगड़ गई है। डाक्टरों ने बताया कि उनके पास काफी बुरी हालत में मरीज पहुंचे, जिनकी प्रसाद में गाजर का हलवा खाने से तबीयत बिगड़ी है।

पंजाब स्टेट लोहड़ी बंपर लॉटरी 2026 के नतीजे

इस टिकट ने जीते पूरे 10 करोड़ रुपये, देखें पूरी लिस्ट

चंडीगढ़-पंजाब स्टेट लोहड़ी बंपर लॉटरी 2026 के नतीजे 17 जनवरी को घोषित कर दिए गए हैं। इस बार लोहड़ी और मकर संक्रांति के मौके पर पंजाब स्टेट लॉटरी की तरफ से 23 करोड़ रुपये से ज़्यादा के इनामों का बंपर ड्रॉ निकाला गया है। इस लॉटरी का सबसे बड़ा पहला इनाम (जैकपॉट) 10 करोड़ रुपये का टिकट नंबर ए-327706 को मिला है। ड्रॉ के दौरान, हजारों प्रतिभागियों की किस्मत का फैसला हुआ और दूसरे और तीसरे इनाम के विजेताओं की भी घोषणा की गई। दूसरा इनाम (1 करोड़ रुपये) टिकट नंबर बी-655079 को मिला, जबकि तीसरा इनाम (50 लाख रुपये) टिकट नंबर ए-737470 को मिला। चौथा इनाम-0 लाख रुपये (8 टिकट - ए-633275,ए-302849,ए-658214,ए-489143, बी-547612, बी-634332, बी-529155, बी-807415), पांचवां इनाम-5 लाख रुपये (4 टिकट -ए-880325,ए-796285, ए-534435, ए-37585)। इसके अलावा, 9,000 रुपये से लेकर 1,000 रुपये तक के हजारों दूसरे इनाम भी निकाले गए हैं। प्रतिभागी अपने टिकट नंबरों की पूरी लिस्ट वैबसाइट https://www.punjabstatelotterygov.in/ पर देख सकते हैं।

लुधियाना में जबरदस्त धमाका, मकान की उड़ी छत

लुधियाना - महानगर के जनकपुरी स्थित इंदिरा कॉलोनी में आज दोपहर उस समय चीख-पुकार मच गई, जब यहां एक क्वार्टर में अचानक गैस सिलेंडर ब्लास्ट हो गया। धमाका इतना जबरदस्त था कि पूरे इलाके में दहशत फैल गई और देखते ही देखते क्वार्टर की छत मलबे में तब्दील होकर नीचे गिर गई।

राहत की बात यह रही कि जिस समय यह हादसा हुआ, उस समय या तो परिवार के सदस्य सुरक्षित दूरी पर थे या समय रहते बाहर निकल आए। इस भयानक धमाके में छत तो जमींदोज हो गई और घर का सामान जलकर राख हो गया, लेकिन किसी भी प्रकार का जानी नुकसान नहीं हुआ। मोहल्ला निवासियों ने बताया कि धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि उन्हें लगा जैसे कोई बम फटा हो।

हादसे की सूचना मिलते ही थाना डिवीजन नंबर 2 की पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और राहत कार्य का जायजा लिया। अधिकारियों का कहना है कि धमाके के कारणों की बारीकी से जांच की जा रही है। शुरुआती जांच में इसे गैस लीकेज का मामला माना जा रहा है, लेकिन पुलिस हर पहलू को खंगाल रही है ताकि हादसे की असल वजह साफ हो सके।

'आप' सरकार की शिक्षा क्रांति की खुली पोल

लुधियाना (सत्ता संदेश)-आम आदमी पार्टी की सरकार द्वारा दिल्ली की तर्ज पर पंजाब में जो शिक्षा क्रांति लाने के दावे किए जा रहे हैं, उनकी लुधियाना में हवा निकल रही है जिसके तहत इंप्रूवमैंट ट्रस्ट द्वारा स्कूल के लिए रिजर्व जगह पर प्लाट बनाकर बेचने की तैयारी की गई है। यह मामला राजगुरू नगर से संबंधित है जिस स्कीम के ए-ब्लॉक में प्राइमरी स्कूल के लिए करीब 1.5 एकड़ जगह मार्क की गई है जिस जगह पर अब इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट द्वारा प्लाट बनाकर बेचने का फैसला किया गया है। यह खुलासा इस साइट का सी.एल.यू. चेंज करने के संबंध में जारी पब्लिक नोटिस से हुआ है जिसमें सितम्बर 2025 के दौरान हुई जनरल हाऊस की मीटिंग के दौरान स्कूल के लिए रिजर्व जगह पर प्लाट बनाकर बेचने की मंजूरी देने का जिक्र किया गया है। इस योजना का विरोध शुरू हो गया है और एन.जी.ओ. के सदस्यों द्वारा सोशल मीडिया के जरिए भगवंत मान सरकार की शिक्षा क्रांति पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट द्वारा स्कूल के लिए रिजर्व जगह पर प्लाट बनाकर बेचने की प्रक्रिया को रैवेन्यू जुटाने की प्रक्रिया से जोड़कर देखा जा सकता है, जिसके तहत आम आदमी पार्टी की सरकार द्वारा पंजाब भर में जमीनों को बेचने की कोशिश की जा रही है। जहां तक स्कूल के लिए रिजर्व जगह पर प्लाट बनाकर बेचने का सवाल है, उससे दोगुना मुनाफा होगा, क्योंकि पहले स्कूल साइट के लिए करीब 21 हजार की रिजर्व प्राइज रखी गई थी और राजगुरु नगर में प्लाट की रिजर्व दोगुने से भी ज्यादा 55 हजार बताई जा रही है।

स्कूल के लिए रिजर्व जगह पर प्लॉट बेचने की तैयारी!

क्या कहा चेयरमैन तरसेम सिंह भिंडर ने

चेयरमैन, तरसेम सिंह भिंडर ने बताया कि इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट द्वारा राजगुरु नगर स्कीम के ए ब्लॉक में प्राइमरी स्कूल के लिए मार्क की गई साइट की 2019 में रखी गई बोली के दौरान कोई खरीददार सामने नहीं आया जिसके मद्देनजर उस साइट पर प्लाट बनाकर बेचने की योजना बनाई गई है। हालांकि इससे पहले शिक्षा विभाग को जगह लेने की पेशकश भी गई थी और बाद में जनरल हाऊस में प्रस्ताव पास करके सरकार की मंजूरी लेने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

पंजाब में जुगाड़ू वाहनों की बढ़ती संख्या बन रही है हादसों का कारण

सरेआम उड़ाई जा रही हैं कानून की धज्जियां, मूकदर्शक बनी ट्रैफिक पुलिस

लुधियाना (सत्ता संदेश)-दिन-प्रतिदिन बढ़ते सडक़ी हादसों को रोकने और यातयात को सुचारू ढंग से चलाने के लिए बेशक सरकार द्वारा ट्रैफिक नियमों का पालन करवाने के लिए अलग-अलग सख्त कानून बनाए जाते हैं, लेकिन इन कानूनों की पालना न करने के चलते बड़े हादसे जन्म ले रहे हैं तथा प्रशासनिक अधिकारियों के नाक के नीचे लोगों द्वारा कानून की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। संबंधित अधिकारियों द्वारा इनके खिलाफ कोई कार्रवाई न करने के चलते इन गैर जिम्मेवार नागरिकों के हौसले बढ़ चुके हैं, दूसरी तरफ कुछ कानून की पालना करने वालों को ऐसा लगने लग पड़ा है कि वह बेकार में ही अपना समय बर्बाद करने में लगे हुए हैं, उनके दिलों में भी कानून के खौफ को नजरंदाज करके मनमर्जी से काम करने की भावना पैदा हो रही है। ऐसे में जहां जुगाड़ू वाहन ट्रांसपोर्ट अधिकारियों को सरेआम तुच्छ समझ रहे हैं। ऐसे जुगाड़ू वाहन सडक़ों पर सरेआम दौड़ते देखे जा सकते हैं, जिनका ट्रांसपोर्ट विभाग में शायद ही कोई रिकॉर्ड भी नहीं है, यह जुगाड़ू वाहन जहां सरकार को वाहन की रजिस्ट्रेशन न होने के कारण लाखों रुपए का चूना लगा रहे हैं, वहीं इसके अलावा ओवरलोड वाहन तथा बसों की छतों पर बैठकर सफर करते लोग आम देखने को मिल सकते हैं। इन सभी पहलुओं पर नजर डाली जाए तो ट्रैफिक पुलिस

दूसरी तरफ कमर्शियल वाहनों के मालिक जो कि टैक्स देकर गाडियां चलाते हैं, उनके कारोबार के लिए भी घाटे का कारण सिद्ध हो रहे हैं। इसके अलावा स्कूल जाने वाले नाबालिग विद्यार्थी भी मोटरसाइकिल पर 4-4 की गिनती में सवार होकर ट्रांसपोर्ट नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। इन विद्यार्थियों का विभाग द्वारा लाइसैंस भी नहीं बना हुआ। की कारगुजारी पर अनेकों सवाल खड़े होते हैं क्योंकि ट्रैफिक पुलिस द्वारा ज्यादातर दोपहिया वाहन चालकों के चालान काटने की तरफ ही जोर देती है, जबकि शहर में सैंकड़ों की गिनती में लोगों द्वारा मोटरसाइकिल, ऑटो, पीटर रेहड़े तथा अन्य कई तरह के वाहनों को मोडीसंख्याफाई करके बाजार में सरेआम घुमाया जा रहा है, जो ट्रैफिक पुलिस को दिखाई नहीं दे रहे या फिर देखकर अनदेखा किया जा रहा है। चौक में खड़े पुलिसकर्मियों के नाक के नीचे यह वाहन आम गुजरते देखे जा सकते हैं तथा इन लोगों को पुलिस का डर न होने के कारण आए दिन इन जुगाड़ू वाहनों की गिनती में बढ़ोतरी हो रही है। यदि जगह-जगह पर लगे नाकों पर तैनात पुलिस मुलाजिम इन जुगाड़ू वाहनों की तीखी नजर रखें तथा इन पर काबू पाना शुरू कर दें, तो जहां सरकार को लग रहा चूना बंद हो सकता है, वहीं इन जुगाड़ू वाहनों से और वाहन चालक सुरक्षित हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त गांवों तथा शहरों में ओवरलोड मिट्टी की ट्रालियां, जिन पर ऊंची आवाज में डैक लगाए जाते हैं, वह भी हादसों का कारण बन रही हैं। इसके अलावा ट्रैक्टरों पर ऊंची आवाज में चलते गाने तथा ट्रैक्टरों के पीछे लगाई तेज लाइटें भी हादसों को न्यौता दे रही हैं।

जुगाड़ू वाहनों की बढ़ती संख्या

बड़ी गिनती में जुगाड़ू वाहन नजर आने लग पड़े हैं, जो कि प्रशासनिक अधिकारियों की आंखों में धूल डाल रहे हैं तथा हैवी तथा कामर्शियल वाहनों की रजिस्ट्रेशन के सामान की ढोआढुलाई करते हैं, पहले तो इन जुगाड़ू वाहनों की गांवों में ही प्रयोग की जाती थी तथा लोग खेतों में हरा चारा लाने के लिए इनका प्रयोग मोटरसाइकिल के पीछे रेहड़ी डालकर करते थे लेकिन अब इन वाहनों का प्रयोग शहरों में भी हो रहा है, जो कि सामान ढोने के लिए कर रहे हैं। ओवरलोड तथा भारी सामान ढोते यह आम ही देखे जा सकते हैं। मोटरसाइकिल या मोपेड जिनके इंजन सिर्फ 2 व्यक्तियों के वजन उठाने के लिए होते हैं, पीछे सामान लादने का जुगाड़ लगाकर इन पर वजन लादकर ढोते समय यदि इंजन में खराबी आ जाए, तो वजन कारण बेकाबू हो जाए, तो ऐसे वाहन सडक़ पर चलते समय जहां अपने आप हादसे का शिकार हो सकते हैं, वहीं दूसरी तरफ सड़क के चलते कुछ और वाहनों को भी हादसे का शिकार बना सकते हैं।

क्या कहना है कानूनी माहिरों का

इस संबंधी विभिन्न कानूनी माहिरों से बातचीत की तो उनका कहना था कि देश में आए दिन हो रहे बड़े सडक़ हादसों के बाद देश की माननीय अदालतों द्वारा सरकारों को दिशा-निर्देश जारी किए जाते हें, लेकिन सरकारों तथा प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा इन आदेशों को लागू न करने के कारण कीमती जानें हादसों की भेंट चढ़ रही हैं। उन्होंने जहां अधिकारियों को कानून को सख्ती से लागू करने की अपील की, वहीं देश के नागरिकों को भी अपने फर्जों पर पहरा देना चाहिए और ट्रैफिक नियमों की पालना करनी चाहिए।

21 जनवरी की गेट रैली निगम प्रशासन व पंजाब सरकार की जड़ हिला देगी-धींगान

लुधियाना (सत्ता संदेश)-नगर निगम कर्मचारी यूनियन की एक हंगामी बैठक यूनियन के कार्यालय स्थानीय माता रानी चौक पर चेयरमैन नरेश धींगान की अगवाई में हुई। इस बैठक में 21 जनवरी को नगर निगम जोन ए. के सामने की जाने वाली गेट रैली के बारे में विचार-विमर्श किया गया। इस मौके पर यूनियन के वाइस चेयरमैन रवि बाली और प्रधान विक्की रहेला विशेष तौर पर उपस्थित रहे और उक्त आगुओं ने इस गेट सम्बंधी कर्मचारियों में जोश भरते हुए वहीं बताया कि गेट रैली की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस मौके पर बैठक को संबोधित करते हुए नरेश धींगान ने बताया कि नगर निगम कर्मचारी यूनियन की ओर से ठेकेदारी सिस्टम, ओवरएज समेत समूह दर्जाचर कर्मचारियों को पक्का कराने, कूड़ा काम ठेका देने के खिलाफ तथा कर्मचारियों की अन्य मांगों संबंधी मेयर हाउस और हाउस की बैठक के दौरान मौके पर मौजूद विधायकों और समस्त काउंसलरों का घेराव किया गया जिस पर आम आदमी पार्टी के विधायकों द्वारा 2 जनवरी से यूनियन की मुख्यमंत्री से बैठक कराई जाने का भरोसा दिया गया, परंतु आज तक भी यूनियन की मुख्यमंत्री के साथ कोई भी मीटिंग नहीं कराई गई है जिस करके इस वादा खिलाफी के कारण मुलाज़म वर्ग में रोष की लहर है इसलिए यूनियन और समूह मुलाज़मों 21 जनवरी को सबेरे 11.00 बजे जोन ए. माता रानी चौक नगर निगम दफ्तर का घेराव करके गेट रैली की जाएगी ताकि सोती पड़ी पंजाब सरकार को जगाया जा सके और यह गेट रैली निगम प्रशासन ते पंजाब सरकार की जड़ों हिला के रख देगी।

www.sattasandesh.com | sattasandesh25@gmail.com

नजरिया

सत्ता संदेश

सम्पादकीय

ट्रेड को बढ़ाने में एग्जीबिशन की भूमिका

आजकल, ट्रेड एग्जीबिशन किसी भी राज्य की इंडस्ट्री और ट्रेड को बढ़ाने और कैपिटल इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा रही हैं, क्योंकि ये लोगों को इस फील्ड में नई खोजों और नई टेक्नोलॉजी से भी रूबरू कराती हैं और खरीदार को उसकी ज़रूरत का सामान दिलाने में एक पुल का काम करती हैं।

इसी सिलसिले में, साहनेवाल के लुधियाना एग्जीबिशन सेंटर में लगी इंटेक्स एक्सपो 2026 एग्जीबिशन में 250 से ज़्यादा नामी कंपनियों का हिस्सा लेना और हर दिन इस एग्ज़िबिशन में आने वाले हज़ारों विज़िटर्स और एग्जीबिशन में आई कंपनियों को बड़े ऑर्डर मिलना दिखाता है कि लुधियाना अब दुनिया के इंडस्ट्रियल मैप में एक खास जगह बना रहा है। इसका क्रेडिट एग्जीबिशन के ऑर्गनाइज़र्स को जाता है, इसके साथ ही यह कहना गलत नहीं होगा कि नई टेक्नोलॉजी और बेहतरीन ब्रांड्स की तरफ लोगों का अट्रैक्शन भी ऐसी एग्जीबिशन की सफलता की वजह बन रहा है। इंटेक्स-एक्सपो 2026 एग्ज़िबिशन में करीब ढाई सौ कंपनियों ने एक ही छत के नीचे लोगों के घर बनाने और सजाने के लिए नई टेक्नोलॉजी से तैयार अपने तैयार प्रोडक्ट्स पेश किए। बिल्डिंग बनाने वाले लोगों ने भी बड़ी संख्या में एग्जीबिशन में हिस्सा लिया और कंपनियों द्वारा लगाई गई नई टेक्नोलॉजी की तारीफ़ की। कंपनियों ने लोगों को ज़्यादा से ज़्यादा घरेलू सामान देने के लिए ऑर्डर बुक किए, जिसे ऐसी किसी भी एग्जीबिशन की बड़ी कामयाबी कहा जा सकता है, जिसके लिए मिस्टर जी.एस. ढिल्लों बधाई के हकदार हैं।

इस अनोखी और बड़ी एग्जीबिशन की एक और बड़ी कामयाबी यह है कि पंजाब के इंडस्ट्रीज़ मिनिस्टर मिस्टर संजीव अरोड़ा ने शनिवार को एग्जीबिशन का उद्घाटन किया और इस इवेंट को इंडस्ट्री और ट्रेड के लिए एक बड़ा बूस्ट बताया। उद्घाटन के मौके पर टाउन एंड विलेज प्लानिंग डिपार्टमेंट पंजाब की डायरेक्टर मिसेज़ नीरू कत्याल गुप्ता भी मौजूद थीं।

यह कहना कोई बढ़ा-चढ़ाकर कहना नहीं होगा कि ऐसी एग्जीबिशन से पंजाब की इंडस्ट्री को बहुत फ़ायदा होता है। इसके साथ ही नई टेक्नोलॉजी का लेन-देन होता है। साथ ही, पंजाब की कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री को भी नई टेक्नोलॉजी के बारे में जानकारी मिलती है। कई नए इन्वेस्टमेंट और इंडस्ट्रीज़ को पंजाब आने के लिए बढ़ावा मिलता है।

पंजाब सरकार को अब बहुत ज़्यादा इन्वेस्टमेंट मिल रहा है। पिछले एक साल में हुए इन्वेस्टमेंट से दोगुना इन्वेस्टमेंट इस साल के पहले 9 महीनों में हुआ है। अगले तीन महीनों में और ज़्यादा इन्वेस्टमेंट की उम्मीद है। इंटेक्स-एक्सपो 2026 में हिस्सा लेने वाली कंपनियों ने कमर्शियल जगहों के बिल्डरों, घर बनाने वालों, फैक्ट्री बनाने वालों और किसी भी तरह का कंस्ट्रक्शन करने वालों के लिए बहुत शानदार इक्विपमेंट लगाए। इस काम में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्चर पंजाब और डायरेक्टर स्मार्ट सिटी लुधियाना ने अहम भूमिका निभाई। हम आशा करते हैं कि भविष्य में तरह की प्रदर्शनियां व्यापार को बढ़ावा देने में अपनी भूमिका को और सार्थक बनाएंगी।

जितेंद्र कुमार, सम्पादक

अंजान लड़की

किताबों का शौकीन मंथन एक दिनजब लाइब्रेरी के एक कोने में बैठ कर, चाय और थोड़े स्नैक्स के साथ किताब में पूरी तरह डूबा हुआ था, तब उसकी नजर उसे कांच की दीवार से घूरती, नजरों पर गई। ये मासूम नजरें 14 साल की एक मलिन लड़की की थी। चेहरे पर झलकती बेबसी और आंखों में एक

कहानी

अजीब-सी चमक लिए, लड़की मंथन को लगातार घूर रही थी। पहले तो मंथन ने उसे अनदेखा कर दिया और फिर से किताब पढ़ने लगा , पर जब उस लड़की की नजर मंथन से और मंथन का ध्यान उस लड़की पर से नहीं उठा तो मंथन ने किताब टेबल पर रख दी, पर तभी वो लड़की वहां से चली गई। अगले दिन जब मंथन फिर से उसी तरह अपनी किताब में डूबा था, तो वो लड़की फिर से उसी तरह मंथन को देखने लगी। अब मंथन से रहा नहीं गया। उसने किताब टेबल पर रख दी और उस लड़की से हाथ के इशारे से पूछा, क्या है? मंथन के पूछने पर लड़की ने कोई जवाब नहीं दिया। तो मंथन को लगा कि शायद वो लड़की मंथन को उसके सामने रखे चाय और नाश्ते के लिए घूर रही है। मंथन ने नाश्ते की प्लेट हाथ में ली और शीशे की आड़ से ही उसकी तरफ प्लेट बढ़ा दी। पर लड़की ने गर्दन हिला कर इनकार कर दिया और वहां से चली गई। इस बात से मंथन को बड़ी हैरानी हुई। अगले दिन फिर मंथन लाइब्रेरी में किताब पढ़ रहा था। लेकिन आज मंथन का ध्यान किताब पर नहीं, उस लड़की पर था। जो आज शीशे पर नहीं खड़ी थी। थोड़ी देर बाद वो लड़की आ गई और मंथन को उसी तरह देखने लगी। पर आज मंथन सोच कर बैठा था कि आज उससे पूछकर ही रहेगा कि उस लड़की को क्या चाहिए? मंथन को अपनी तरफ आता देख, लड़की डर गई। मंथन उसके सामने आकर खड़ा हो गया। 'क्या बात है? क्या चाहिए तुम्हें ? मंथन ने पूछा। इस पर वो लड़की घबराकर जाने लगी। तब मंथन ने कहा, 'देखो! तुम मुझे रोज यहां बैठा हुआ देखती हो ! बताओ क्या चाहिए तुम्हें?' मंथन के जोर देने पर लड़की के मुंह से अचानक ही निकल गया, 'किताबें'। मंथन हैरानी से उसे देखने लगा। 'मुझे अपनी किताबें दे दो भईया जी! मुझे पढ़ना अच्छा लगता है। गांव के सरकारी स्कूल में पांचवीं तक पढ़ी हूं। उसके बाद बापू शहर ले आया और मेरा पढ़ना छूट गया।' लड़की ने बड़ी बेबसी से अपनी कहानी सुनाई।

सत्ता संदेश

R.N.I. No. PBHIN/25/A4135

पब्लिशर, एडिटर, मालिक जितेंद्र कुमार और प्रिंटर अश्मीत सिंह ने न्यूज़पेपर 'सत्ता संदेश' (हिंदी साप्ताहिक), ने मुंजाल प्रिंटर्स 1558/1, अमरपुरा, माता वाली गली, सिविल हस्पताल के पास, लुधियाना, पंजाब – 141008 से छपवाकर अपने आफिस पीएल 42, वर्धमान पार्क, चंडीगढ़ रोड, मुंडियां कलां, लुधियाना, पंजाब – 141015। से प्रकाशित किया।

Publisher, Editor, Owner JITENDER KUMAR and Printer ASHMEET SINGH Newspaper Title 'SATTA SANDESH' (Hindi Weekly), Printed at MUNJAL PRINTERS 1558/1, AMARPURA MATA WALI GALI, NEAR CIVI HOSPITAL, LUDHIANA, PUNJAB - 141008 and Published from PL 42, VARDHMAN PARK, CHANDIGARH ROAD, MUNDIAN KALAN, LUDHIANA, PUNJAB - 141015.

M. +91 92162 42177

Email : sattasandesh25@gmail.com

वर्तमान में जल स्त्रोतों पर मंडराता खतरा भविष्य के लिए घातक

ग्रीन वॉल परियोजना के तहत चल रहे अरावली सर्वेक्षण में गुरुग्राम, फरीदाबाद और नूंह जिलों में जलभृतों (एक्विफर) और जलस्रोतों के बड़े पैमाने पर नुकसान जैसे कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। इसके लिए शुरुआती 2000 के दशक तक वैध रही खनन गतिविधियां, उसके बाद कथित तौर पर जारी अवैध खनन और पहाड़ियों का बढ़ता कंक्रीटीकरण जिम्मेदार माना

अरावली की जल प्रणाली की अपूरणीय क्षति

जा रहा है। इन कारणों से तीनों जिलों में अरावली की प्राकृतिक जल प्रणाली (एक्वा नेटवर्क) लगभग नष्ट हो गई। हालिया सर्वेक्षण के अनुसार, शुरुआती 2000 के दशक तक कानूनी खनन, उसके बाद बेलगाम अवैध खनन और बिना रोक-टोक निर्माण गतिविधियों ने अरावली की जल प्रणाली को अपूरणीय क्षति पहुंचाई है। हालांकि खनन से बने गड्ढों में पानी भर गया, लेकिन इसके चलते मूल झीलें, तालाब, जलभृत और प्राकृतिक जल निकासी तंत्र नष्ट हो गए। सर्वे में बताया गया है कि पिछले दो दशकों में कम से कम 120 जलस्रोत, जिनमें तालाब, झीलें और झरने शामिल हैं सूख चुके हैं। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एन.जी.टी.) में वन विभाग द्वारा दायर हलफनामे के अनुसार, अरावली क्षेत्र में प्राकृतिक और मानव-निर्मित जलस्रोतों की संख्या 30 साल से भी कम समय में 265 से घटकर 50 से नीचे आ गई है। साथ ही, करीब 500 एकड़ वन भूमि विकास की भेंट चढ़ चुकी है। अरावली से निकलने वाली प्रमुख नदियां बाणास, लूनी, साहिबी और साखी-अब गंभीर रूप से सिकुड़ चुकी हैं या लगभग 'मृत' स्थिति में पहुंच गई हैं, जिसका मुख्य कारण भूजल प्रवाह का बाधित होना है। फरीदाबाद में बदखल झील, पीकॉक लेक, सूरजकुंड तालाब, सूरजकुंड क्षेत्र के कई झरने पूरी तरह खत्म हो चुके हैं। नूंह में फिरोजपुर झिरका के 20 से अधिक झरने, कोटला मुबारकपुर और तावडू के झरने अब बहना बंद कर चुके हैं। इसी तरह गुरुग्राम में सोहना की दमदमा झील, भोंडसी के तीन झरने, रायसीना पहाड़ियों के प्राकृतिक जलस्रोत बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

गहरे खनन से टूट जाती हैं भूमिगत जल धाराएं– गहरे खनन से जलभृतों में छेद हो जाते हैं, भूमिगत जल धाराएं टूट जाती हैं और कई इलाकों में भूजल स्तर 1,000 से 2,000 फीट तक नीचे चला गया है। इसके अलावा, कैचमेंट क्षेत्रों और वर्षा जल निकासी नालों पर निर्माण ने प्राकृतिक जल निकासी प्रणाली को बदल दिया, जिससे एन.सी.आर. और राजस्थान के कुछ हिस्सों तक जल उपलब्धता प्रभावित हुई है।

पर्यावरणविदों का तर्क व मांग

स्थानीय पर्यावरणविद अरावली क्षेत्र, खासकर गुरुग्राम, फरीदाबाद और नूंह में गायब हो चुके 120 से अधिक जलभृतों और जलस्रोतों के पुनर्जीवन के लिए विशेष योजना की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि इन प्राकृतिक प्रणालियों के नष्ट होने से यह क्षेत्र जल संकट और अचानक आने वाली बाढ़ (फ्लैश फ्लड) के प्रति अत्यंत संवेदनशील हो गया है। पर्यावरणविदों का तर्क है कि गुरुग्राम में जलभराव की समस्या भौगोलिक संरचना के कारण नहीं, बल्कि अरावली की प्राकृतिक जल-संचयन क्षमता के खत्म होने के कारण है।

क्या है सरकार की कारगुजारी– गुरुग्राम प्रशासन और गुरुजल प्राधिकरण दमदमा झील के पुनर्जीवन पर काम कर रहे हैं। यह झील मानसून के दौरान भर जाती है, लेकिन अत्यधिक रिसाव के कारण इसका जल क्षेत्र 80 एकड़ से घटकर एक महीने के भीतर लगभग 35 एकड़ रह जाता है।

यमुना में जहरीले झाग की मोटी परत जमना हैरानीजनक!

दिल्ली के कालिंदी कुंज स्थित घाट पर यमुना नदी में जहरीले झाग की मोटी परत फिर से जम गई जिससे नदी के बड़े हिस्से में जल नहीं दिखाई दे रहा था। विशेषज्ञों ने दोहराया कि यह नदी के पारिस्थितिकी तंत्र के लिए हानिकारक है। नदी किनारे पर बंधी नावों के चारों ओर झाग भारी मात्रा में एकत्र हो गया जो नावों से भी चिपका पाया गया। नदी किनारे जमे झाग में धूल के कण भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे थे। झाग के अलावा नदी किनारे कचरा भी बिखरा हुआ था। कचरे में प्लास्टिक सामग्री, बोतलें, फूल, मानव के बाल और यहां तक कि ब्लेड भी शामिल थे। हर रविवार को कालिंदी कुंज घाट पर स्वच्छता अभियान चलाने वाले पर्यावरणविद पंकज कुमार ने दावा किया कि दिसंबर और जनवरी में पानी पिछले साल अक्टूबर में छठ पर्व से पहले की तुलना में कहीं अधिक प्रदूषित रहा। कुमार ने कहा कि छठ पर्व के दौरान यमुना नदी की सफाई के लिए सामूहिक रूप से जोरदार प्रयास किए गए थे। यदि सरकार ने इस गति को बनाए रखा होता, तो नदी की स्थिति कुछ ही महीनों में काफी सुधर जाती। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की यमुना के जल की गुणवत्ता पर नवीनतम रिपोर्ट तीन दिसंबर, 2025 को एकत्र किए गए नमूनों के आधार पर आधारित है। इस रिपोर्ट में आईटीओ ब्रिज पर जैविक ऑक्सीजन मांग (बीओडी) का स्तर 25 मिलीग्राम प्रति लीटर, आईएसबीटी ब्रिज पर 24 मिलीग्राम प्रति लीटर और ओखला बैराज पर 17 मिलीग्राम प्रति लीटर दर्ज की गई है, जबकि डीपीसीसी द्वारा निर्धारित सुरक्षित सीमा तीन मिलीग्राम प्रति लीटर है। बीओडी किसी नदी की सेहत और जलीय जीवन को बनाए रखने की उसकी क्षमता का एक महत्वपूर्ण सूचक है। दूसरी ओर दिसंबर की रिपोर्ट के अनुसार, आईएसबीटी ब्रिज पर मल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया का स्तर (जिसे सर्वाधिक संभावित संख्या (एमपीएन) के रूप में मापा गया) 92,000, निजामुद्दीन ब्रिज पर 54,000 और आईटीओ ब्रिज पर 35,000 दर्ज की गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक मल कोलीफॉर्म (जो सीवेज संबंधी प्रदूषण का एक सूचक है) की वांछनीय सीमा 500 यूनिट प्रति 100 मिलीलीटर और अनुमेय सीमा 2,500 यूनिट प्रति 100 मिलीलीटर है। सीपीसीबी 20-30 मिलीग्राम प्रति लीटर के बीच के बीओडी स्तर को 'गंभीर' श्रेणी में रखता है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य ए सेंथिल वेल की पीठ ने बृहस्पतिवार को पाया कि दिल्ली सरकार की तरल अपशिष्ट प्रबंधन रिपोर्ट में यमुना नदी, विशेष रूप से वजीराबाद बैराज और अशगरपुर गांव के बीच, में जल प्रदूषण का मुख्य कारण विभिन्न नालों के माध्यम से उपचारित, आंशिक रूप से उपचारित और अनुपचारित सीवेज का बहाव है।

मिथ्या चेतना का दर्शनशास्त्र

लेखकः श्री हरदीप सिंह पुरी
केंद्रीय मंत्री पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस

चंडीगढ़ /पी आई बी /सत्ता संदेश

भारत में वर्ष 2026 की शुरुआत सार्वजनिक बहस के साथ होनी चाहिए–ऐसी बहस जो आलोचनात्मक भी हो और जवाबदेही से भी जुड़ी हो। 1.4 अरब आबादी वाले देश को निराशावाद के सहारे नहीं बदला जा सकता। रोजगार, उत्पादकता, निर्यात और समावेशन कभी भी आसान नहीं होते, बल्कि डिजाइन, क्रियान्वयन और सुधार के कठोर प्रयास से प्रगति होती है। इसलिए यह समय निराशावाद और स्वस्थ संशयवाद के बीच फर्क समझने का है।

फ्रेडरिक नीत्शे ने कहा कि दार्शनिक केवल आलोचक नहीं, बल्कि मूल्य सृजनकर्ता होना चाहिए। लोकनीति में भी इसी दृष्टिकोण की जरूरत है। आलोचना हो, पर वह साक्ष्य आधारित हो और इस विविधतापूर्ण लोकतंत्र की प्रशासनिक जटिलताओं को भी समझे। जब संशयवाद केवल एक दिखावा बन जाता है, तो वह उन संस्थाओं में विश्वास कमजोर करता है जो सुधारों को संभव बनाती हैं।

हाल के वर्षों में टिप्पणी की ऐसी शैली उभरी है जो संदेह को सभ्य विमर्श का पर्याय बना देती है। यह हर अपूर्ण सुधार को स्थायी विफलता साबित करने पर जोर देती है और यह धारणा फैलाती है कि भारत अपनी ही नीतियों से अभिशप्त है। इसका असर केवल मानसिकता पर नहीं बल्कि अर्थव्यवस्था, बाजारों, निवेश और वैश्विक वार्ताओं में भारत की स्थिति पर पड़ता है। विशेषज्ञता को तथ्यों के प्रति जिम्मेदार रहना चाहिए, न कि निराधार नकारात्मकता फैलाने का साधन बनना चाहिए।

कुछ विश्लेषक यह आरोप लगाते हैं कि भारत के आर्थिक आंकड़े विश्वसनीय नहीं हैं, जबकि वास्तविकता इससे उलट है। जीएसटी संग्रह में बड़ी वृद्धि हुई है–2024-25 में 22 लाख करोड़ रुपये से अधिक संग्रह के साथ औसतन प्रति माह 1.8 लाख करोड़ रुपये। इसी तरह डिजिटल भुगतान ने वित्तीय पारदर्शिता और दक्षता का नया अध्याय खोला है। नवंबर 2025 में यूपीआई के जरिए 26 लाख करोड़ रुपये के 20 अरब लेन-देन किए गए। ये सुदृढ़ और सत्यापन योग्य आंकड़े हैं, जो सुधारों को समर्थन देते हैं।

कल्याण और समावेशन के क्षेत्र में ठोस परिणाम सामने आए हैं। नीति आयोग के अनुसार 2013-14 से 2022-23 के बीच लगभग 24 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आए हैं। गरीबी दर लगभग 30 प्रतिशत से घटकर लगभग 11 प्रतिशत रह गई है। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT) ने डिलीवरी प्रणाली को मजबूत किया है–2025 में 45 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि ट्रांसफर की गई और बड़ी बचत संभव हुई। 56 करोड़ से अधिक जनधन खातों ने वित्तीय समावेशन को वास्तविक आधार दिया है।

वित्तीय अनुशासन का असर बैंकिंग क्षेत्र में स्पष्ट है। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की सकल एनपीए 2018 के 11.2 प्रतिशत से घटकर 2025 में 2.1 प्रतिशत रह गई है। यह केवल कागजी दावा नहीं, बल्कि लगातार निगरानी, बैलेंस शीट सुधार और पारदर्शिता का परिणाम है। यह उस धारणा का सीधा जवाब है कि शासन सुधार नहीं कर सकता।

उद्योग और निर्माण के क्षेत्र में भी बदलाव हुए हैं। पीएलआई योजना के तहत 14 क्षेत्रों में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश, 18 लाख करोड़ रुपये से अधिक अतिरिक्त उत्पादन और 12 लाख से अधिक रोजगार उत्पन्न हुए। इलेक्ट्रॉनिक्स इसका प्रमुख उदाहरण है–2024-25 में 11 लाख करोड़ रुपये से अधिक उत्पादन, जिसमें 5.5 लाख करोड़ रुपये मोबाइल निर्माण और लगभग 2 लाख करोड़ रुपये मोबाइल निर्यात रहे। यह वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत की योग्यता का प्रमाण है।

निर्यात क्षेत्र में भी भारत मजबूत हुआ है। 2024-25 में वस्तु एवं सेवा निर्यात 825 अरब डॉलर तक पहुंचा। ऐसे दौर में जब दुनिया टैरिफ और संरक्षणवाद की ओर बढ़ रही है, भारतीय प्रदर्शन भरोसे का आधार बनता है। भारत अब एक बड़े बाजार के साथ विश्वसनीय सप्लायर के रूप में स्थापित हुआ है।

देश की प्रतिस्पर्धी क्षमता किसी एक योजना का परिणाम नहीं, बल्कि बुनियादी ढांचे, लॉजिस्टिक्स, प्रशासनिक सुधार और डिजिटल प्लेटफॉर्म के संयुक्त प्रभाव का नतीजा है। औद्योगिक गलियारों, रेल-कनेक्टिविटी, बंदरगाहों और डिजिटल प्रणालियों ने समय और लागत कम की है। सभी समस्याएं खत्म नहीं हुईं, लेकिन यह सिद्ध हो चुका है कि सरकार बड़े पैमाने पर परिणाम दे सकती है। सही सुधारों का असर समय लेता है, पर स्थायी होता है।

कृषि और ग्रामीण भारत के संदर्भ में नकारात्मकताओं की चर्चा आसान है, लेकिन बदलाव भी दिखाई दे रहे हैं। अब नीतियां सीधे लाभ और स्थायी संपदा निर्माण पर केंद्रित हैं। जल जीवन मिशन इसका उदाहरण है–12.5 करोड़ से अधिक ग्रामीण घरों में नल का जल पहुंचा, जिससे स्वास्थ्य, जीवन गुणवत्ता और समय की बचत पर बड़ा प्रभाव पड़ा।

स्वास्थ्य, आवास और ऊर्जा के क्षेत्र में भी समावेशी विकास के प्रमाण हैं। आयुष्मान भारत के तहत 42 करोड़ से अधिक कार्ड जारी, करोड़ों परिवारों को आर्थिक सुरक्षा मिली। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लगभग 3 करोड़ घर बने, जिससे सम्मान और स्थिरता मिली। उज्ज्वला योजना के तहत 10 करोड़ से अधिक एलपीजी कनेक्शन ने स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराई। ये केवल आंकड़े नहीं, बल्कि जीवनस्तर में वास्तविक सुधार के सूचक हैं।

राज्यों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। भारत का संघीय ढांचा गतिशील है। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान जैसे राज्यों ने बेहतर कानून व्यवस्था, तेज मंजूरी और अवसंरचना सुधार से निवेश और रोजगार बढ़ाए हैं। केंद्र सरकार ने प्रतिस्पर्धी संघवाद को संस्थागत बनाया है–साझा प्लेटफॉर्म, प्रोत्साहन फंड और पारदर्शी डेटा के माध्यम से।

भारत की प्रगति पर बहस जारी रहनी चाहिए, पर सवाल यह है कि हम कैसी बहस चुनते हैं। जब बड़े विशेषज्ञ केवल अनुमान और नकारात्मक संकेतों को 'विश्लेषण' कहते हैं, तो वे सुधारों की संस्थागत क्षमता को कमजोर करते हैं। नीत्शे की बात दोहराने का समय है–गंभीर विचार उन्हीं मूल्यों का निर्माण करता है जो समाज को आगे बढ़ाएं। भारत ने कठिन लेकिन सही रास्ता चुना है–काम करने और परिणाम देने का। यह उपलब्धियां आंकड़ों में भी दिखती हैं और जनता अनुभव भी करती है। 2026 में भारत को ऐसी आलोचना की जरूरत है जो नीति को बेहतर बनाए, न कि ऐसी जो केवल सनसनी पैदा कर राष्ट्र के आत्मविश्वास को कमजोर करे। यही मानक निवेश, लोकतांत्रिक विकल्प और भविष्य की दिशा को सुरक्षित करेंगे।

पंजाब में बढ़ता अपराध का ग्राफ

पंजाब में सरेआम की जा रही लक्षित हत्याओं का बढ़ता ग्राफ बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। दुस्साहसी हत्यारे अपने मंसूबों को सरेआम अंजाम देकर साफ निकल जाते हैं। यह विडंबना ही है कि पंजाब में नए साल की शुरुआत दिन-दहाड़े हुई हत्याओं की एक शृंखला के साथ हुई है। अब चाहे लुधियाना जिले में एक पूर्व कबड्डी खिलाड़ी की निर्मम हत्या हो या अमृतसर के मैरिज रिसॉर्ट में एक विधायक के करीबी सरपंच की गोली मारकर बेरहमी से हत्या, इनसे पता चलता है कि पंजाब के अपराधियों में कानून का भय नहीं रह गया। निश्चित रूप से ये घटनाएं पंजाब में गंभीर चुनौती बनती एक जटिल समस्या की ओर इशारा करती हैं। इस चिंताजनक होती स्थिति की वजह लगातार अपराधी गिरोहों के नेटवर्क का मजबूत होना, घातक हथियारों की सहज उपलब्धता और पुलिस बल पर लगातार बढ़ता दबाव भी है। दूसरी ओर विपक्षी दल आरोप-प्रत्यारोपों का सिलसिला चलाए रहते हैं और राजनीतिक लक्ष्यों के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान के इस्तीफे की मांग करते रहते हैं। वहीं सरकार इस संकट को अपने पूर्ववर्तियों द्वारा विरासत में छोड़ा गया बताते हैं। लेकिन एक हकीकत है कि इन बयानबाजियों से नागरिकों की असुरक्षा कम नहीं होती है। वहीं पंजाब के शीर्ष पुलिस अधिकारियों की दलील होती है कि पंजाब में अपराध दर राष्ट्रीय औसत से काफी कम है। लेकिन राज्य में बढ़ते अपराधों के संकट को किसी भी सूरत में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। निश्चित रूप से जब हत्याएं राज्य के भीड़भाड़ वाले इलाकों में होती हैं तो लोगों का कानून व्यवस्था से भरोसा उठ जाता है। वहीं दूसरी ओर राज्य के पुलिस महानिदेशक की दलील है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ड्रोन के जरिए हथियार, गोला-बारूद और नशीले पदार्थ भेजकर सीमांत राज्य पंजाब के खिलाफ परोक्ष युद्ध छेड़े हुए है। निश्चय ही यह बात इस सीमावर्ती राज्य के लिएगंभीर चिंता का विषय है। इसमें दो राय नहीं कि पंजाब के डीजीपी का पाक से अपराधियों को प्रश्रय देने वाला बयान चिंता बढ़ाने वाला है। खासकर उस राज्य के लिए, जिसने एक दशक तक उग्रवाद का सामना किया हो। लेकिन पंजाब के अपराध संकट के लिए केवल बाहरी कारकों को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। यह पुलिस विभाग की शिथिलता व खुफिया तंत्र की नाकामी के साथ सामाजिक विद्रूपताओं से भी उपजा संकट है। निस्संदेह, राज्य में अधिक बेरोजगारी है। बंदूक संस्कृति का महिमामंडन भी गंभीर चुनौती है। वहीं दूसरी ओर युवाओं में रातों-रात धनवान बनने का लालच भी स्थानीय व क्षेत्रीय गिरोहों के पनपने की गंभीर वजह है। इसके अलावा पुलिस विभाग की संरचना की भी कुछ विसंगतियां सामने आती हैं। मसलन पुलिस व्यवस्था में उच्च अधिकारियों की तो अधिकता है मगर फील्ड स्टाफ पर काम का बोझ जरूरत से ज्यादा है। इसके अलावा पुलिस के कामकाज में राजनीतिक हस्तक्षेप के भी आरोप लगते रहे हैं। यही वजह है कि पुलिस, हासिल कुछ सफलताओं के बावजूद जनता का विश्वास जीतने के लिए संघर्ष कर रही है। लेकिन राजनीतिक बयानबाजियों से इतर राज्य सरकार को अपनी रणनीति में बदलाव लाकर धरातल पर गंभीर प्रयास करने होंगे। मौजूदा हालात में बहुआयामी रणनीति बनाने की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। इसके अंतर्गत पुलिस सुधार भी प्राथमिकता के आधार पर किए जाने की जरूरत है, ताकि हाइटेक अपराधियों पर शिकंजा कसा जा सके। इसके साथ ही अपराध नियंत्रण में केंद्रीय एजेंसियों से बेहतर तालमेल करने की भी जरूरत है। इसके अलावा बंदूकों पर लगाम लगाने के लिए कानून को सख्ती से लागू करने की आवश्यकता होगी। राज्य में रोजगार के अवसरों में वृद्धि, कौशल विकास में व्यापक निवेश करने तथा भटके हुए युवाओं को मुख्यधारा में लाने के प्रयास योजनाबद्ध ढंग से करने होंगे। ऐसे राज्य में जो एक दशक तक चरमपंथ की त्रासदी झेल चुका हो, अपराधियों के खिलाफ बड़ी मुहिम वक्त की मांग है। राज्य के सत्ताधीशों को चाहिए कि पंजाब द्वारा कड़ी मेहनत से हासिल की गई शांति को गैंगस्टरों, ड्रग माफिया और आतंकवादियों के घातक गठजोड़ का शिकार कदापि नहीं होने दें।

रेलवे की ब्रिटिश दौर की वर्दी को भारत सरकार ने किया खत्म

आधुनिक व देसी पहचान से जुड़ी वर्दी लागू करने का फैसला

लेस्टर (इंग्लैंड)-भारत सरकार द्वारा रेलवे कर्मचारियों के लिए चलती आ रही ब्रिटिश दौर की

रिवायती वर्दी को खत्म कर नई, आधुनिक व देसी पहचान से जुड़ी वर्दी लागू करने के फैसले ने इंग्लैंड में सियासी व मीडिया क्षेत्रों में हलचल मचा दी है। ब्रिटिश मीडिया में इस कदम को ब्रिटिश साम्राज्य की आखिरी निशानियों को मिटाने के लिए भारत का एक और बड़ा कदम करार दिया जा रहा है। ब्रिटेन के न्यूज़ चैनलों व समाचार पत्रों में इस मामले को लेकर खास चर्चा हो रही है। कुछ टिप्पणीकारों का कहना है कि भारत अब खुले तौर पर अपने उप निवेशक अतीत से दूरी बनाने की नीति पर आगे बढ़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार भारतीय रेलवे की पुरानी वर्दी ब्रिटिश शासन समय की याद दिलाती थी, जिसे अब बदलकर नए डिज़ाइन, आरामदायक कपड़े व देसी रंगों से तैयार किया गया है। इंग्लैंड में कुछ पूर्व सैन्य अधिकारियों व राजनीतिक हस्तियों द्वारा इस फैसले पर नाराजगी भी जताई गई है। उनका दावा है कि ब्रिटिश दौर से जुड़ी चीजों को हटाने की यह कोशिश इतिहास को मिटाने के बराबर है। दूसरी ओर कई ब्रिटिश विद्वानों व सामाजिक विश्लेषकों का कहना है कि हर देश को अपनी पहचान व अपनी सोच के अनुसार फैसले करने का पूरा अधिकार है। भारत में इस फैसले को एक प्रशासनिक सुधार के रूप में देखा जा रहा है। अधिकारियों का कहना हैं कि नई वर्दी कर्मचारियों के लिए मौसम अनुकूल, सुविधाजनक व कामकाज के लिए और उपयोगी होगी। साथ ही यह वर्दी भारत की सांस्कृतिक पहचान व आत्मनिर्भरता की सोच को दर्शाती है।

मनाली के 9 गांवों में 42 दिन तक न बजेगा फोन, न चलेगा टीवी

मनाली -मनाली के घाटी में एक ऐसी 'डिजिटल फास्टिंग' शुरू हुई है, जिसका कारण कोई तकनीकी लत छुड़ाना नहीं, बल्कि

सदियों पुरानी धार्मिक अटूट आस्था है। जहाँ पूरी दुनिया शोर-शराबे की रफ़्तार से दौड़ रही है, वहीं हिमाचल प्रदेश के मनाली की ऊझी घाटी ने खुद को पूरी तरह 'साइलेंट मोड' पर डाल लिया है। यहाँ के नौ गाँवों में एक अनोखी परंपरा के तहत अगले डेढ़ महीने तक सन्नाटा पसरा रहेगा। मान्यता है कि मकर संक्रांति के बाद यहाँ के स्थानीय देवता–गौतम ऋषि, व्यास ऋषि और नाग देवता-गहन साधना (तपस्या) में चले जाते हैं। अपने आराध्य की शांति में कोई खलल न पड़े, इसलिए ग्रामीणों ने स्वेच्छा से आधुनिक सुख-सुविधाओं का त्याग कर दिया है। इन गाँवों में रहने वाले लोग और यहाँ आने वाले पर्यटक, दोनों को ही कड़े नियमों का पालन करना होगा और अगले 42 दिनों तक टीवी पूरी तरह बंद रहेंगे और मोबाइल फोन को साइलेंट मोड पर रखना अनिवार्य होगा। इसके अलावा खेतीबाड़ी और बागवानी से जुड़े तमाम शोर करने वाले कामों को रोक दिया गया है। इसी तरह मंदिरों में न घंटियाँ बजेंगीं और न ही कोई ऊंची आवाज में बात कर सकेगा। यहाँ तक कि मंदिरों के कपाट भी बंद कर दिए गए हैं। हैरानी की बात यह है कि जहाँ आज की युवा पीढ़ी बिना इंटरनेट के एक पल नहीं रह सकती, वहीं इन गाँवों (जैसे गौशाल, सोलंग, पलचान और कोठी) के युवा बड़े उत्साह से इस प्राचीन रिवाज को निभा रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह परंपरा किसी दबाव में नहीं बल्कि श्रद्धा के कारण जीवित है।

सिमसा और लाहौल में भी 'देव आदेश' का असर

मनाली के पास सिमसा में स्थित कार्तिक स्वामी मंदिर के कपाट भी बंद कर दिए गए हैं। कन्याल और छियाल जैसे इलाकों में 'फागली उत्सव' तक किसी भी तरह के शोर की मनाही है। दूसरी ओर, अटल टनल पार करते ही लाहौल घाटी के सिस्सू गाँव में भी 'हालडा उत्सव' की वजह से बाहरी लोगों और पर्यटकों के प्रवेश पर 28 फरवरी तक रोक लगा दी गई है। देव-नियमों के अनुसार, उत्सव के दौरान गाँव की पवित्रता बनाए रखने के लिए बाहरी दखल को पूरी तरह वर्जित रखा गया है।

सेना प्रमुख द्विवेदी ने कहा, दुश्मन के हर कदम पर पैनी नजर, 'ऑपरेशन सिंदूर' अब भी जारी

कहा, मात्र 22 मिनट में पाकिस्तान के 9 आतंकवादी शिविरों को सटीकता से निशाना बनाया

जयपुर (सत्ता संदेश)-भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अब भी जारी है और दुश्मन के हर कदम पर कड़ी नजर रखी जा रही है। वह यहां दक्षिण पश्चिम कमान में आयोजित

अलंकरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मात्र 22 मिनट में पाकिस्तान के 9 आतंकवादी शिविरों को सटीकता से निशाना बनाया। जनरल द्विवेदी ने कहा कि 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम आतंकी हमले के बाद यह स्पष्ट निर्णय लिया गया था कि भारत निर्णायक कदम उठाएगा और ऑपरेशन सिंदूर उसी संकल्प का परिणाम था। सेना प्रमुख ने कहा कि 88 घंटे के भीतर भारत की कार्रवाई ने पाकिस्तान को संघर्षविराम के लिए विवश कर दिया, जो राष्ट्रीय संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों के प्रति भारतीय सेना की निर्णायक क्षमता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि उत्तरी सीमा पर स्थिति स्थिर है, लेकिन लगातार सतर्कता आवश्यक है। एलएसी पर भारतीय सेना की तैनाती संतुलित और मजबूत है और संपूर्ण राष्ट्र दृष्टिकोण के तहत आधारभूत ढांचे तथा दक्षता विकास पर लगातार काम किया जा रहा है। जनरल द्विवेदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की स्थिति संवेदनशील जरूर है, लेकिन सेना के नियंत्रण में है। विकास कार्यों की गति के कारण आतंकवादियों की भर्ती अब तक के सबसे निचले स्तर पर है और अमरनाथ यात्रा का शांतिपूर्ण आयोजन विश्वास और सामान्य स्थिति का संकेत है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में, विशेषकर मणिपुर में, सरकार की सक्रिय पहल और सुरक्षाबलों की निर्णायक कार्रवाई से सुरक्षा स्थिति में सुधार हुआ है। शिरुई लिली जैसे सांस्कृतिक आयोजन, डूरंड कप की वापसी और हाईसस्पेंशन ल ऑफ ऑपरेशंस समझौते की बहाली सामान्य स्थिति की ओर लौटने के संकेत हैं।

सेना में महिलाओं को सशक्त बनाने के प्रयास

सेना प्रमुख ने मानवीय सहायता और आपदा राहत कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि सेना ने देश के 10 राज्यों और पड़ोसी देशों में सराहनीय भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि भविष्य के युद्ध केवल एक सेना के बल पर नहीं जीते जा सकते, इसके लिए राष्ट्रीय प्रयास जरूरी है। उन्होंने बताया कि सेना की संरचना को और सक्षम बनाने के लिए रुद्र ब्रिगेड, भैरव बटालियन और शक्तिवान रेजिमेंट जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। स्वदेशी उपकरणों का प्रदर्शन सेना दिवस परेड में किया जाएगा। उन्होंने सेना में महिलाओं को सशक्त बनाने के प्रयासों को भी रेखांकित किया।

चंडीगढ़ में 22 जनवरी से बारिश के आसार

चंडीगढ़- पंजाब और चंडीगढ़ में मौसम एक बार फिर बदलने वाला है। पहाड़ी इलाकों में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का असर अब मैदानी क्षेत्रों में दिखाई देने लगा है। इसके कारण मौसम विभाग ने मंगलवार रात से बुधवार तक घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। गुरुवार से राज्य के कई हिस्सों में बारिश, तेज हवाएं और बिजली चमकने का अनुमान जताया गया है। पंजाब में मंगलवार सुबह मौसम साफ रहा और शीतलहर से कुछ राहत मिली। अधिकतम तापमान में 1.4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो सामान्य से 4.8 डिग्री अधिक है। न्यूनतम तापमान 2.9 से नौ डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। सबसे कम तापमान अमृतसर में 2.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

असंध कस्बे में बुजुर्ग दंपती हत्याकांड की गुत्थी सुलझी

पोते ने दो साथियों के साथ मिलकर कर दी दादा-दादी की हत्या

करनाल-करनाल के असंध कस्बे में बुजुर्ग दंपती हत्याकांड की गुत्थी को पुलिस ने 7 घंटे में सुलझा लिया है। जांच में सामने आया कि 80 वर्षीय हरि सिंह और 75 वर्षीय लीला देवी की हत्या किसी बाहरी बदमाश ने नहीं, बल्कि उनके सगे पोते रविंद्र ने ही की थी। पुलिस ने मुख्य आरोपी रविंद्र के साथ उसके दो साथियों प्रदीप और गुलशन को गिरफ्तार कर कोर्ट से एक दिन के रिमांड पर लिया है। डी.एस.पी. गोरख पाल राणा ने बताया कि आरोपी रविंद्र नशे का आदी है और खुद को %बाबा% कहता है। उसके पिता द्वारा लिए गए बैंक कर्ज को दादा हरि सिंह ने चुकाया था बाद में जब दादा अपने पैसे वापस मांगने लगे तो रविंद्र ने उन्हें रास्ते से हटाने की साजिश रच डाली। 11 जनवरी की रात करीब 11.48 बजे रविंद्र अपने घर की दीवार फांद कर दादा के घर में घुसा और दरवाजा खोलकर अपने दोनों साथियों को अंदर बुलाया। तीनों ने मिलकर बुजुर्ग दंपती के हाथ-पांव बांधे और शोर न मचे, इसके लिए उनके मुंह पर पहले से खरीदी गई टेप चिपका दी। इसके बाद दोनों की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। रविंद्र मंदिरों में पूजा-पाठ करता था, गौशाला में सेवा करता और खुद को %बाबा% कहलवाता था। इसी धार्मिक चोले के पीछे एक नशेड़ी और अपराधी छिपा था, जिसने लालच में आकर वारदात की। पुलिस को रविंद्र की उंगली पर ताजी चोट दिखी। उसने कहा कि लकड़ी काटते समय चोट लगी, लेकिन मौके पर कोई लकड़ी नहीं मिली। सख्ती से पूछने पर उसने सच उगल दिया। रविंद्र ने जयसिंहपुरा निवासी प्रदीप और गुलशन को लालच दिया कि दादा के कबाड़ के गोदाम में भारी मात्रा में तांबा रखा है। मकसद हत्या को लूट के दौरान हुई वारदात दिखाना था, ताकि शक बाहरी बदमाशों पर जाए। हत्या के दौरान दादी लीला देवी आरोपी रविंद्र को पहचान नहीं पाई, क्योंकि उसने मंकी कैप पहन रखी थी। वह मरते दम तक पुकारती रहीं कि रविंद्र बेटा, हमें बचा ले।

ईरान व इजराइल के बढ़ते तनाव में फंसी कश्मीरी जिंदगियां

श्रीनगर (सत्ता संदेश)-तेहरान में एक कश्मीरी छात्र की वजह से परिवारों को अपने बच्चों की सुरक्षा की खबरों से कुछ राहत मिली थी, लेकिन सिर्फ दो दिन बाद ही ईरान

प्रधानमंत्री से रोते माता-पिता ने लगाई गुहार

में हालात बिगड़ने से डर फिर से बढ़ गया है। नाजुक शांति अब घबराहट में बदल गई है, क्योंकि माता-पिता ईरान के शहरों में फंसे अपने बच्चों को जल्द से जल्द निकालने की गुहार लगा रहे हैं। दर्जनों परेशान माता-पिता श्रीनगर की प्रेस कॉलोनी में इकट्ठा हुए और भारत सरकार से तुरंत कार्रवाई करने की अपील की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और जम्मू-कश्मीर प्रशासन से ईरान में तेजी से बिगड़ते हालात के बीच अपने बच्चों को निकालने को प्राथमिकता देने की अपील की। एक पिता ने दुख जताते हुए कहा, हम रात को सो नहीं पा रहे हैं। हर घंटा एक दिन जैसा लग रहा

है। उनकी बेटी तेहरान में ईरान यूनिवर्सिटी ऑफ मैडीकल साइंसेज में पढ़ती है। उन्होंने आगे कहा, हमें नहीं पता कि वहां क्या हो रहा है। इंटरनेट बंद है, पैसे भेजने के चैनल बंद हैं, और कॉल भी नहीं लग रहे हैं। मेरी बच्ची ने बस इतना कहा, बाबा, प्लीज हमें यहां से निकाल लो। मैं उसे क्या जवाब दूं? माता-पिता ने बताया कि पहले छोटे पेरेंट्स नैटवर्क के बीच मैसेज सर्कुलेट हो रहे थे, जिनसे यूनिवर्सिटी हॉस्टल के अंदर बच्चों की सुरक्षा की पुष्टि हो रही थी, लेकिन वीकेंड से, वे अपडेट भी बंद हो गए हैं। दूतावास कह रहा है कि खुद ही निकल जाओ, लेकिन वे कैसे निकल सकते हैं? वहां अफरा-तफरी मची हुई है, पुलवामा के एक पिता ने कहा, जिनका बेटा शिराज में पढ़ता है। जे.के.एस.ए. के नैशनल कन्वीनर नासिर खुएहामी ने कहा, लगभग 2,000 कश्मीरी छात्र तेहरान, उरुमिया, शिराज, इस्फहान और माज़ंदरान सहित ईरान के अलग-अलग प्रांतों में पढ़ रहे हैं। कॉल पर माता-पिता रो रहे हैं। हमने दूतावास और छात्रों के बीच चौबीसों घंटे कम्युनिकेशन लाइनें शुरू करने का अनुरोध किया है, साथ ही अगर हालात और बिगड़ते हैं तो इमरजेंसी इवैक्यूएशन प्लान भी मांगा है। हालांकि, माता-पिता का कहना है कि अब सिर्फ आश्वासन काफी नहीं है। एक और माता-पिता ने कहा, हमें सिर्फ बयान नहीं चाहिए; हमें कार्रवाई चाहिए। हमारे बच्चे हजारों कि.मी. दूर फंसे हुए हैं और हमसे संपर्क करने का कोई तरीका नहीं है। हम प्रधानमंत्री व जयशंकर साहब से अपील करते हैं, प्लीज, उन्हें घर ले आइए। हम बस यही चाहते हैं।

सोमनाथ मंदिर भारत की आस्था, विश्वास और गौरव का प्रतीक है-अमित शाह

कहा, सनातन धर्म, संस्कृति व जनमानस की आस्था को मिटाना आसान नहीं

अहमदाबाद-केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत के सनातन धर्म, संस्कृति और जनमानस की आस्था को मिटाना आसान नहीं है। उन्होंने सदियों से सोमनाथ मंदिर को नष्ट करने के बार-बार प्रयासों के बावजूद इसके पुनर्निर्माण का उदाहरण दिया।

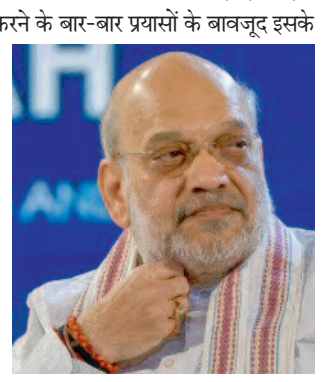

उन्होंने कहा कि मंदिर पर हमला करने वाले अंतर्गायब हो गए, लेकिन मंदिर आज भी गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में समुद्र तट पर उसी स्थान पर शान से खड़ा है। वह गांधीनगर जिले के मानसा में 267 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। शाह ने कहा कि 16 बार नष्ट होने के बावजूद सोमनाथ मंदिर आज भी शान से खड़ा है और उसका झंडा आसमान में लहरा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में वहां एक भव्य सोमनाथ कारिडोर का निर्माण भी किया जा रहा है। यह पूरी दुनिया को संदेश है कि भारत के सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति और भारतीय जनता की आस्था को मिटाना इतना आसान नहीं है। यह सूर्य और चंद्रमा की तरह शाश्वत और अमर है। सोमनाथ मंदिर भारत की आस्था, विश्वास और गौरव का प्रतीक है। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पूरे साल मनाया जाएगा।

साल 2025 में भारत का इलेक्ट्रॉनिक निर्यात 4 लाख करोड़ रुपए से ऊपर रहा-अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली (सत्ता संदेश)-केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि देश से इलेक्ट्रॉनिक निर्यात 2025 में 4 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। इस वर्ष 4 सैमी कंडक्टर संयंत्रों के उत्पादन शुरू होने के बाद इसमें और वृद्धि होने की उम्मीद है। आधिकारिक अनुमानों के अनुसार, 2024-25 में इलक्ट्रॉनिक उत्पादन लगभग 11.3 करोड़ रुपए तक पहुंच गया और निर्यात करीब 3.3 लाख करोड़ रुपए का रहा। वैष्णव ने सोशल मीडिया मंच पर जानकारी दी, इलेक्ट्रॉनिक निर्यात 2025 में 4 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया जिससे रोजगार सृजित हुए और विदेशी मुद्रा हासिल हुई। 2026 में भी यह गति जारी रहेगी क्योंकि चार सैमी कंडक्टर संयंत्र व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर देंगे। देश के इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण क्षेत्र में वर्तमान में मोबाइल फोन उद्योग का वर्चस्व

है। उद्योग जगत के अनुमानों के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में 25 लाख से अधिक लोग कार्यरत हैं। मंत्री ने बताया कि भारत से आईफोन का निर्यात 2025 में 2.03 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। यह वर्ष 2024 में एप्पल द्वारा निर्यात किए गए 1.1 लाख करोड़ रुपए से करीब दोगुना है। मोबाइल विनिर्माताओं के उद्योग निकाय इंडिया सेल्युलर एंड इलैक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक देश में मोबाइल फोन का उत्पादन 75 अरब अमरीकी डॉलर (लगभग 6.76 लाख करोड़ रुपए) तक पहुंचने की उम्मीद है। इसमें 30 अरब अमरीकी डॉलर या करीब 2.7 लाख करोड़ रुपए का निर्यात शामिल होगा। देश में 2024-25 में 5.5 लाख करोड़ रुपए के मोबाइल फोन का उत्पादन हुआ और इस क्षेत्र से निर्यात लगभग दो लाख करोड़ रुपए का रहा। बाजार अनुसंधान एवं विश्लेषण कंपनी काऊंटर प्वाइंट के सह-संस्थापक तथा अनुसंधान उपाध्यक्ष नील शाह ने कहा कि चीन पर अमरीकी शुल्क के बाद अपने विनिर्माण का विस्तार करके और भारत से निर्यात को रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचाकर एप्पल, भारत की सफलता का एक महत्वपूर्ण प्रतीक बन गया है।

रील और रियल के फर्क को न समझ पाने की स्थिति बिगाड़ रही है बच्चों के मानसिक संतुलन को

लुधियाना (सत्ता संदेश)-मोबाइल स्क्रीन पर दिख रही हर चीज बच्चों को रियल (असली) लगने लगी है और वही उनकी डिमांड (माग) बनती जा रही है। महंगे गैजेट्स, ब्रांडेड कपड़े, ट्रेंडी खिलौने, गेमिंग सेटअप, बाहर खाने-घूमने की चाह और परफैक्ट लाइफस्टाइल की तस्वीरें बच्चों के दिमाग में यह भर रही हैं कि जो रील में दिख रहा है, वही सामान्य है। शहर के पेरेंट्स, टीचर्स और चाइल्ड काउंसलर्स मानते हैं कि यही सोच बच्चों में असंतोष, गुस्सा और आक्रामक व्यवहार को जन्म दे रही है। जब अभिभावक हर डिमांड पूरी नहीं कर पाते, तो बच्चे खुद को ठगा हुआ महसूस करते हैं और प्रतिक्रिया के तौर पर चिड़चिड़ापन, जिद और गुस्सा दिखाने लगते हैं। ऐसे केस लगातार बढ़ रहे हैं, जहां बच्चे छोटी-छोटी बातों पर भड़क जाते हैं। रील और रियल के फर्क को न समझ पाने की यह स्थिति बच्चों के मानसिक संतुलन को बिगाड़ रही है। एक्सपर्ट्स के अनुसार सोशल मीडिया बच्चों को लगातार तुलना की स्थिति में डाल रहा है, जहां वे अपनी जिंदगी को कमतर समझने लगते हैं।

रील में देखा महंगा फोन, नहीं मिला तो टूटा कंट्रोल-

11 साल के एक बच्चे ने

सोशल मीडिया पर गेमिंग वीडियो देखकर नया मोबाइल फोन मांगना शुरू किया। मना करने पर बच्चा गुस्सा दिखाने लगा। मां बताती हैं कि पिछले कुछ महीनों में उसकी जिद और गुस्सा तेजी से बढ़ा। काउंसलिंग में सामने आया कि बच्चा रोज घंटों रील्स में महंगे फोन और लग्जरी लाइफ देखकर उसे रियल लाइफ मानने लगा था।

* हर चीज तुरंत चाहिए, इंतजार की आदत खत्म-

9 साल के बच्चे के पिता बताते हैं कि स्कूल से भी शिकायत आई कि बच्चा बात-बात पर नाराज हो जाता है और दूसरों से बहस करता है। जांच में पता चला कि बच्चा सोशल मीडिया कंटेंट से इतना प्रभावित है कि उसे रियल लाइफ की सीमाएं स्वीकार ही नहीं हो रहीं।

रील जैसा बर्थडे नहीं तो निराशा और गुस्सा-

10 साल की बच्ची ने सोशल मीडिया पर ग्रैंड बर्थडे सेलिब्रेशन देखकर वैसा ही जन्मदिन मनाने की जिद की। साधारण पार्टी की बात पर वह उदास हो गई और कहने लगी कि उसका बर्थडे दूसरों जैसा खास नहीं है। पेरेंट्स बताते हैं कि बच्ची ने खुद को कमरे में बंद कर लिया।

रील और रियल का फर्क समझाना जरूरी

सोशल मीडिया बच्चों को एक नकली दुनिया दिखा रहा है, जहां सब कुछ आसान, परफेक्ट और तुरंत मिलने वाला लगता है। बच्चे यह नहीं समझ पाते कि रील वर्ल्ड एडिटेड और प्लैंड होती है। जब रियल लाइफ में वैसा नहीं होता, तो निराशा और गुस्सा बढ़ता है। लगातार स्क्रीन एक्सपोजर बच्चों को भावनात्मक रूप से कमजोर बना रहा है। नींद की कमी और तुलना की आदत उनके व्यवहार को आक्रामक बना रही है।

अभिभावकों को समझाना होगा बच्चों को

अभिभावकों को बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि हर देखी चीज जरूरत नहीं होती और हर रील सच नहीं होती। बच्चों के स्क्रीन टाइम पर कंट्रोल, तय रूटीन, खेलकूद और परिवार के साथ समय सबसे बड़ी जरूरत है। डिमांड को सीधे नकारने की बजाय कारण समझाएं, विकल्प दें। अगर बच्चा गुस्सा करता है, खुद को दूसरों से कम समझे या व्यवहार में अचानक बदलाव दिखे, तो इसे नजरअंदाज न करें। सही मार्गदर्शन और समझदारी से ही रील वर्ल्ड के असर से बच्चों को बचाया जा सकता है।

विधायक सुखपाल खैहरा ने खोली 'आप' सरकार की लाइव पोल

(सत्ता संदेश)- कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैहरा ने आम आदमी पार्टी और मुख्यमंत्री भगवंत मान की सरकार पर निशाना साधा है। सुखपाल खैहरा ने आरोप लगाया है कि भगवंत मान सरकार पंजाब के इकोलॉजी को खत्म करने पर तुली हुई है। खैहरा ने सोशल मीडिया पर लाइव होकर सरकार पर लैंड माफिया के साथ मिलीभगत करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि, सरकार पैसे कमाने के लिए 'पलपा' एक्ट के सैक्शन 4 में बदलाव कर रही है। आम आदमी पार्टी की सरकार लैंड माफिया के साथ मिलकर पंजाब के नैचुरल रिसोर्स के साथ खिलवाड़ कर रही है ताकि पर्सनल फायदा कमाया जा सके। खैहरा ने कहा कि पंजाब के रिसोर्स को दोनों हाथों से लूटा जा रहा है। इस बारे में गवर्नर को एक लेटर दिया गया है। पहले भी

पंजाब सरकार की कैबिनेट ने लैंड माफिया के साथ मिलकर 'पलपा' एक्ट के सैक्शन 4 में बदलाव किया है। चंडीगढ़ के पास कितनी भी ग्रीन बेल्ट और फॉरेस्ट लैंड हो, उस पर कोई फार्महाउस नहीं बना सकता। पहले शर्त यह थी कि कम से कम ढाई एकड़ जमीन होनी चाहिए, जिसमें सिर्फ टेम्परारी स्ट्रक्चर ही बनाया जा सकता था। इससे हमारे पंजाब का एनवायरनमेंट भी बच गया। आम आदमी पार्टी सरकार ने लैंड माफिया के साथ मिलकर जो एक्ट बदला है, उसमें कहा गया है कि ढाई एकड़ की जगह एक एकड़ में पूरा फार्महाउस बना सकते हैं। ऐसा करके पंजाब को लूटा जा रहा है। इस बयान से राज्य में एनवायरनमैंट और लैंड पॉलिसी को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो रहा है। सुखपाल खैरा का मानना है कि यह कदम पंजाब के भविष्य के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है।

भाजपा राज में 'भ्रष्टाचार का ठोसीकरण' अर्थव्यवस्था की नयी अवधारणा है- अखिलेश

समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को दावा किया कि सोने-चांदी की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि भ्रष्ट उपायों से अर्जित नकदी को बहुमूल्य धातुओं में बदलने की ''भ्रष्ट भाजपाई अर्थव्यवस्था की नयी अवधारणा'' है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भाजपा राज में भ्रष्टाचार का ठोसीकरण अर्थव्यवस्था की नयी अवधारणा है, जिसमें मूल्य बढ़ने से, मांग घटती नहीं बल्कि बढ़ जाती है। सपा प्रमुख ने कहा, ''भ्रष्ट-भाजपाई अर्थव्यवस्था की नयी अवधारणा।

भ्रष्टाचार का ठोसीकरण भ्रष्ट उपायों से कमाए गए, नकद धन को बहुमूल्य धातुओं में बदलना है।उन्होंने दावा किया कि बहुमूल्य धातुओं का मूल्य बढ़ने से घर-मोहल्लों, दुकान-बाजारों में चोरी, सेंधमारी, लूटपाट, राहजनी, छिनैती की घटनाएं बहुत बढ़ जाती हैं, जिसके लिए अतिरिक्त सुरक्षा बल की आवश्यकता पड़ती है। उन्होंने कहा, ''इससे भाजपा राज में पहले से लचर पुलिस-व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव बढ़ता है जिसके परिणामस्वरूप पुलिसिंग बेहद निष्क्रिय हो जाती है तथा अपराधी और भी ज़्यादा सक्रिय हो जाते हैं।

तीसरे विश्व युद्ध के लिए भारत तैयार

नई दिल्ली- देश का 2026-27 का आम बजट ऐसे समय में आने जा रहा जब वर्तमान वैश्विक व्यवस्था वस्तुत- द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे तीव्र अस्थिरता, अनिश्चितता ही नहीं बल्कि गंभीर सुरक्षा तथा सैन्य खतरों से रूबरू हो रही है।

उथल-पुथल के ऐसे दौर में भारत जैसे उभरती वैश्विक ताकत के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा केवल अपनी सीमाओं की सुरक्षा तक ही सीमित नहीं रह गई है। पड़ोसी देशों के साथ जटिल संबंधों तथा लंबी समुद्री सीमाएं भारत की बढ़ती रक्षा जरूरतों को अपरिहार्य बना रही हैं। युद्ध के बदलते स्वरूप तथा तीव्र आधुनिक टेक्नोलॉजी पर आधारित हथियारों-उपकरणों ने देश की रक्षा चुनौतियां को बहुआयामी बना दिया है।

ग्रीनलैंड के बाद चागोस बना ट्रंप का नया हथियार, अब डिएगो गार्सिया सौदे पर US-UK में तकरार

चागोस द्वीपसमूह की संप्रभुता मॉरीशस को सौंपने के ब्रिटेन के फैसले की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा आलोचना किए जाने के बाद हैरत में पड़ी ब्रिटिश सरकार ने मंगलवार को अपने निर्णय का बचाव किया। इससे पहले ट्रंप प्रशासन ने ब्रिटेन के इस फैसले का समर्थन किया था। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा, ''हैरानी की बात है कि हमारा 'शानदार' नाटो सहयोगी ब्रिटेन इस समय डिएगो गार्सिया द्वीप (जहां अमेरिका का एक अत्यंत महत्वपूर्ण सैन्य अड्डा स्थित है) को मॉरीशस को सौंपने की योजना बना रहा है और वह भी बिना किसी वजह के।''उन्होंने कहा, ''इसमें कोई संदेह नहीं है कि चीन और रूस ने पूरी तरह कमजोरी भरे इस कदम पर ध्यान दिया होगा।''अमेरिका के अनुसार,

डिएगो गार्सिया सैन्य प्रतिष्ठान में लगभग 2,500 (ज्यादातर अमेरिकी सैनिक) तैनात हैं और यह मध्य पूर्व, दक्षिण एशिया तथा पूर्वी अफ्रीका में सुरक्षा अभियानों के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्र है। चागोस द्वीपसमूह 1814 से ब्रिटिश नियंत्रण में हैं, जब फ्रांस ने इसे ब्रिटेन को सौंप दिया था।

ट्रंप ने कहा, ''ब्रिटेन द्वारा अत्यंत महत्वपूर्ण भूमि को सौंपा जाना घोर मूर्खता का कार्य है और यह राष्ट्रीय सुरक्षा के उन कई कारणों में से एक है जिनके चलते ग्रीनलैंड पर अमेरिकी कब्जा आवश्यक है।'' अमेरिकी राष्ट्रपति की यह तीखी प्रतिक्रिया ग्रीनलैंड को लेकर बढ़े तनाव को शांत करने और कमजोर पड़ चुके अटलांटिक पार संबंधों को सुधारने के ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के प्रयासों के लिए एक झटका है। स्टार्मर ने सोमवार को ग्रीनलैंड पर कब्जा करने संबंधी ट्रंप के बयानों को ''पूरी तरह गलत'' बताया, लेकिन साथ ही कहा कि इस मतभेद को ''शांतिपूर्ण चर्चा के जरिये सुलझाया जाना चाहिए।'' ब्रिटेन और मॉरीशस ने मई में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे जिसके तहत दो सदियों तक ब्रिटिश नियंत्रण में रहने के बाद चागोस द्वीपसमूह की संप्रभुता मॉरीशस को दी जाएगी। हालांकि, इस द्वीपसमूह के जिस डिएगो गार्सिया द्वीप पर अमेरिकी सैन्य अड्डा स्थित है, उसे ब्रिटेन कम से कम 99 साल के लिए पट्टे पर वापस लेगा।

कराची शॉपिंग प्लाजा में आग से मरने वालों की संख्या 28 पहुंची, 80 अन्य लापता

पाकिस्तान के कराची में एक शॉपिंग मॉल में लगी आग में मरने वालों की संख्या बढ़कर 28 हो गई है, जबकि लगभग 80 लोगों के लापता होने की आशंका है। मंगलवार को भी बचाव अभियान जारी है और जर्जर इमारत के मलबे में फंसे लोगों की तलाश की जा रही है। पुलिस सर्जन सुम्मैया सईद ने मंगलवार को पुष्टि की कि अब तक 28 शव जिन्ना अस्पताल और सिविल अस्पताल लाए जा चुके हैं, जबकि 20 अन्य घायलों का इलाज जारी है और उनकी हालत स्थिर बताई गई है। उन्होंने कहा, 'शनिवार रात आग लगने के बाद से अब तक

28 शव अस्पतालों में लाए गए हैं।'

सईद ने बताया कि अब तक 18 शवों की पहचान हो चुकी है, जबकि अन्य की पहचान के लिए डीएनए जांच कराई जा रही है। यह आग गुल शॉपिंग प्लाजा के भूतल में स्थित एक दुकान में लगी थी। आग ने तेजी से पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। बचाव सेवा 1122 के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) आबिद जलाल ने बताया कि आग की तीव्रता काफी अधिक थी और इसे लगभग 34 घंटे बाद नियंत्रित किया जा सका। इस दौरान पुरानी और जर्जर इमारत के कई हिस्से ढह गए। उन्होंने कहा, ÷हमें लगभग 80 लोगों की एक सूची दी गई है, जिनके इस आग में लापता होने की आशंका है।'

अमेरिका में बर्फीले तूफान का कहर, हाईवे पर टकराईं 100 से ज्यादा गाड़ियां, देशभर में अलर्ट जारी

अमेरिका के मिशिगन राज्य में ग्रेट लेक्स क्षेत्र से आए भीषण बर्फीले तूफान ने भारी तबाही मचा दी। सोमवार सुबह ग्रैंड रैपिड्स के पास हडसनविल इलाके में इंटरस्टेट-196 हाईवे पर 100 से अधिक वाहन आपस में टकरा गए या फिसलकर सड़क से बाहर जा गिरे। राज्य पुलिस के मुताबिक इस भीषण दुर्घटना में कई लोग घायल हुए हैं, हालांकि राहत की बात यह है कि अब तक किसी की मौत की पुष्टि नहीं हुई है। सभी घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। ओटावा काउंटी शेरिफ कार्यालय ने बताया कि बर्फ जमी होने के कारण कई वाहन पलट गए, जबकि 30 से ज्यादा सेमी-ट्रेलर ट्रक जैक-नाइफ स्थिति में फंस गए।

हाईवे पर फंसे यात्रियों को सुरक्षित निकालकर बसों के जरिए हडसनविल हाई स्कूल पहुंचाया गया, जहां उन्हें अपने परिजनों से संपर्क करने और वैकल्पिक यात्रा की व्यवस्था करने में मदद दी गई। हादसे के बाद इंटरस्टेट-196 को दोनों दिशाओं में पूरी तरह बंद कर दिया गया। राहत और बचाव कार्य में जुटी टीमों को सड़क से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने में भारी मशक्कत करनी पड़ी। अधिकारियों का कहना है कि सफाई और मरम्मत कार्य के चलते हाईवे कई घंटों तक बंद रह सकता है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें और मौसम विभाग की चेतावनियों को गंभीरता से लें।

13000 करोड़ की ड्रग तस्करी का आरोपी सिक्किम से गिरफ्तार, अंतरराष्ट्रीय ट्रैफिकिंग से जुड़े तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने सिक्किम से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसपर करोड़ों की ड्रग तस्करी करने का आरोप है। पुलिस को आरोपी के तार अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी से जुड़ने के संकेत मिले हैं।

दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, हाल ही में 13000 करोड़ के ड्रग्स जब्त किए गए थे, जिसमें कोकीन, मेफेड्रोन और थाई मरिजुआना का नाम शामिल था। तभी से पुलिस आरोपी की तलाश में थी। अब जाकर उसे सिक्किम से गिरफ्तार किया गया है।

'पारो' ऑस्कर की एलिजिबिलिटी सूची में शामिल

मुम्बई-चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय फिल्मों की ताहा शाह बदुशा अभिनीत फिल्म 'पारो-द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ब्राइड स्लेवरी' 98वें अकादमी अवॉर्ड्स (ऑस्कर) 2026 के लिए एकेडमी मोशन ऑफ पिक्चर आर्ट्स

एंड साइंसेज़ द्वारा जारी आधिकारिक कर एलिजिबिलिटी लिस्ट में शामिल की गई है। इसके साथ ही पारो उन सूची में आ गई है, जिन्होंने अकादमी के तय मानकों और योग्यता शर्तों को पूरा किया है। फिल्म का निर्माण फिल्ममेकर और सामाजिक कार्यकर्ता तृप्ति भोईर ने किया है, जबकि निर्देशन की कमान संभाली है प्रख्यात निर्देशक गजेंद्र अहिरे ने। 'पारो' एक संवेदनशील सामाजिक विषय पर और आधारित फिल्म है, जो दुल्हन तस्करी यानी ब्राइड ट्रैफिकिंग जैसे गंभीर और अनदेखे मुद्दे को सामने लाता के है। फिल्म में ताहा शाह बदुशा साथ तृप्ति भोईर और गोविंद नामदेव भी अहम भूमिकाओं में हैं। अपनी विषयवस्तु और प्रभावशाली कहानी के चलते फिल्म अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों और सर्किट्स में पहले ही सराहना बटोर चुकी है। ताहा शाह बदुशा ने इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मुझे बेहद गर्व और सम्मान महसूस हो रहा है कि 'पारो' को ऑस्कर एलिजिबिलिटी लिस्ट में जगह मिली है । यह फिल्म मेरे लिए सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि उन आवाज़ों का प्रतिनिधित्व है, जिन्हें अक्सर अनसुना कर दिया जाता है।

रानी मुखर्जी की फिल्म 'मर्दानी 3' होगी 30 जनवरी को रिलीज

फिल्म अभिनेत्री रानी मुखर्जी की नई फिल्म 'मर्दानी 3' को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव किया है। हाल ही में यशराज फिल्म्स ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया। इस पोस्टर में रानी एक बार फिर निडर पुलिस ऑफिसर शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में नजर आ रही हैं। उनके हाथ में पिस्टल है और आंखों में गुस्सा साफ झलक रहा है। पोस्टर के बैकग्राउंड में कई बच्चे दिखाई दे रहे हैं, जिनके लापता होने की जानकारी लिखी हुई है। इससे साफ है कि इस बार कहानी और भी गंभीर और भावनात्मक होने वाली है। इसके साथ ही फिल्म की नई रिलीज डेट का भी एलान कर दिया गया है। कैप्शन में बताया गया है कि बचाव अभियान 30 जनवरी को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में शुरू होगा। बता दें कि इससे पहले

फिल्म को 27 फरवरी को रिलीज किया जाना था। लेकिन अब मेकर्स ने फिल्म को पहले रिलीज करने का फैसला लिया है। 'मर्दानी' साल 2014 में रिलीज हुई थी, जिसमें रानी ने चाइल्ड ट्रैफिकिंग जैसे गंभीर मुद्दे को मजबूती से उठाया था, वहीं 'मर्दानी 2' (2019) में उन्होंने एक खतरनाक अपराधी से मुकाबला किया था और दोनों ही फिल्मों को दर्शकों से खूब सराहना मिली थी। इस फिल्म के अलावा रानी जल्द ही ओह माय गॉड 3' में भी दिखाई देंगी। इसमें उनके साथ अक्षय कुमार भी लीड रोल में नजर आएंगे।

बदलता फैशन- युवतियों में जूड़ा हेयर स्टाइल भा रहा है साड़ी के साथ

भारतीय परिधान में साड़ी का स्थान हमेशा से विशेष रहा है। यह न केवल महिलाओं बल्कि युवतियों का भी प्रिय पहनावा है। त्यौहारों से लेकर विशेष अवसरों तक साड़ी हर मौके पर ग्रेस और एलिगेंस का प्रतीक बनती है। साड़ी की खूबसूरती को बढ़ाने में ज्वैलरी, मेकअप और हेयर स्टाइल की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इनमें से हेयर स्टाइल विशेष रूप से साड़ी के लुक को निखारता है। साड़ी के साथ ओपन हेयर की बजाय जूड़ा हेयर स्टाइल महिलाओं और युवतियों का फेवरेट रहा है। यह स्टाइल न केवल क्लासी दिखता है बल्कि प्रैक्टिकल भी होता है। जूड़ा हेयर स्टाइल साड़ी को और अधिक आकर्षक बनाता है, जिससे चेहरा हाइलाइट होता है और युवतियों की लुक को परफैक्ट बनाता है। खास अवसरों पर युवतियां जूड़ा हेयर स्टाइल में फ्रंट से ब्रेड्स, फ्लेक्स, कुंडल या अन्य स्टाइल ऐड करके इसे और आकर्षक बनाती हैं।

गोल्डन हैवी साड़ी के साथ फ्लावर हेयर एक्सैसरीज वाला या सिल्वर ट्रेंडी जूड़ा हेयरस्टाइल किए महिला। (फाइल फोटो) हेयर एक्सैसरीज, साड़ी से मैचिंग पिन्स या चेन ज्वैलरी का उपयोग लुक को रॉयल टच देता है। कुछ महिलाएं फ्लावर डिजाइन एक्सैसरीज पसंद करती हैं, जबकि अन्य रियल गुलाब या अन्य फूलों का उपयोग करके फ्रैश और नैचुरल लुक पाना पसंद करती हैं। मार्किट में जूड़ा हेयर स्टाइल के लिए ढेर सारी एक्सैसरीज उपलब्ध हैं। स्टाइलिश हेयर पिन्स जिनमें स्टोन, मिरर या एम्ब्रॉयडरी वर्क होता है, आर्टिफिशियल फ्लावर गजरे, रियल फ्लावर ऑप्शन, हेयर चेन ज्वैलरी आदि युवतियों की पहली पसंद हैं। ये एक्सैसरीज न केवल साड़ी से मैच करती हैं बल्कि जूड़े को वॉल्यूम और शाइन भी प्रदान करती हैं। बॉलीवुड सैलेब्रिटी से लेकर मॉडल्स तक अक्सर रेड कार्पेट पर साड़ी के साथ एलिगेंट जूड़ा स्टाइल में नजर आती हैं, जो युवतियों को इंस्पायर करता है। यह स्टाइल हर एज ग्रुप और फेस शेप के लिए सूटेबल है। राऊंड फेस वालों के लिए हाई जूड़ा, जबकि लॉन्ग फेस के लिए लो जूड़ा आइडियल है। साड़ी की तरह जूड़ा भी भारतीय संस्कृति का हिस्सा है। साड़ी के साथ जूड़ा हेयर स्टाइल महिलाओं और युवतियों की खूबसूरती में चार चांद लगाता है। यह न केवल युवतियों और महिलाओं को स्टाइलिश लुक देता है बल्कि उनका आत्मविश्वास भी बढ़ाता है।

तमन्ना भाटिया गूगल इंडिया की सबसे ज्यादा सर्च की जाने वाली एक्ट्रैस बनीं

2025 खत्म होने जा रहा है। ऐसे में गूगल इंडिया ने 2025 में सबसे ज्यादा सर्च की जाने वाली अभिनेत्रियों की लिस्ट जारी कर दी है। वायरल गानों, हिट फिल्मों और जबरदस्त लोकप्रियता के दम पर इन अभिनेत्रियों ने न सिर्फ़ सिनेमा में बल्कि गूगल खोज में भी राज किया। देशभर के लोग उनकी हर नई खबर जानने के लिए इंटरनेट पर उन्हें बार-बार खोजते रहे। इससे साफ है कि उनकी लोकप्रियता अब सिर्फ़ फिल्मों तक सीमित नहीं है। आइए जानते हैं गूगल इंडिया की पांच सबसे ज़्यादा खोजी गई अभिनेत्रियां।

1. तमन्ना भाटिया-तमन्ना भाटिया इस साल गूगल पर सबसे ज़्यादा खोजी गई अभिनेत्री रहीं। लगभग 25 प्रतिशत लोगों ने उन्हें खोजा। साल 2025 उनके लिए बहुत खास रहा। गफ़ूर और नशा जैसे गानों, डिजिटल मंच की श्रृंखला डू यू वाना पार्टनर और फ़िल्म ओडेला 2 की वजह से वह लगातार चर्चा में रहीं। उनकी हर मौजूदगी लोगों की नज़र में रही।

2. रश्मिका मंदाना-रश्मिका मंदाना को लगभग 18 प्रतिशत लोगों ने गूगल पर खोजा। छावा, थम्मा, कुबेरा और द गर्लफ्रेंड जैसी फिल्मों की वजह से वह साल भर चर्चा में रहीं। उनकी सादगी और अलग-अलग तरह के किरदार लोगों को बहुत पसंद आए।

3. सामंथा रुथ प्रभु-सामंथा रुथ प्रभु को लगभग 13 प्रतिशत लोगों ने खोजा। इस साल उन्होंने अपने जीवन, सेहत और अच्छी सोच से जुड़ी बातें खुलकर साझा कीं। लोग उन्हें सिर्फ़ एक अभिनेत्री ही नहीं, बल्कि एक इंसान के रूप में भी जानना चाहते थे।

4. कियारा आडवाणी-कियारा आडवाणी को लगभग 9 प्रतिशत लोगों ने गूगल पर खोजा। फिल्मों की सफलता से लेकर मां बनने की खबर तक, वह पूरे साल चर्चा में रहीं। उनकी लोकप्रियता हर जगह बनी रही।

5. श्रीलीला-श्रीलीला को लगभग 7 प्रतिशत लोगों ने खोजा। जूनियर और रॉबिनहुड जैसी फिल्मों से उनकी पहचान और मज़बूत हुई। लोग उनकी नई फिल्मों और गतिविधियों के बारे में जानने के लिए उत्सुक रहे।

क्या सच में बियर पीने से किडनी में फंसा स्टोन बाहर निकल जाता है?

आजकल की बदलती जीवनशैली के कारण किडनी स्टोन की समस्या तेजी से बढ़ रही है। यह बीमारी आम जरूर है, लेकिन इससे होने वाला दर्द बेहद गंभीर हो सकता है। किडनी स्टोन को लेकर समाज में कई तरह की गलत धारणाएं फैली हुई हैं। इन्हीं में से एक सबसे ज्यादा प्रचलित मिथक यह है कि बियर पीने से किडनी में फंसी पथरी अपने आप बाहर निकल जाती है। हकीकत इससे काफी अलग है। लोगों का मानना है कि बियर पीने से पेशाब ज्यादा आता है, जिससे पथरी बाहर निकल जाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक बियर केवल यूरिन की मात्रा बढ़ाती है, लेकिन इससे पथरी का इलाज नहीं होता। छोटे आकार की पथरी (करीब 5 मिमी तक) कभी-कभी अपने आप निकल सकती है, लेकिन इसका बियर से कोई सीधा संबंध नहीं है। बड़ी पथरी को जबरदस्ती खिसकाने से तेज दर्द, सूजन और यूरिन रुकने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। दूसरी तरफ कई लोग बियर को आसान और सुरक्षित घरेलू इलाज मानते हैं, लेकिन डॉक्टर ऐसा नहीं

मानते। बियर में ऑक्सलेट मौजूद होता है, जो किडनी स्टोन बनने का एक बड़ा कारण है। ज्यादा या लंबे समय तक बियर पीने से शरीर में पानी की कमी, इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन और किडनी पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। इससे नई पथरी बनने का खतरा भी बढ़ जाता है। इसके अलावा यह भी एक आम गलतफहमी है कि ज्यादा बियर पीने से पथरी जल्दी निकल जाएगी। सच्चाई यह है कि अचानक ज्यादा पेशाब बनने से अगर यूरिटर में रुकावट हो, तो दर्द, उल्टी और अन्य जटिलताएं बढ़ सकती हैं। आज के समय में ऐसी दवाएं उपलब्ध हैं जो यूरिटर की मांसपेशियों को ढीला करके पथरी को सुरक्षित तरीके से बाहर निकलने में मदद करती हैं।

मेडिकल उपचार ही बेहतर

विशेषज्ञों का कहना है कि बियर की तुलना में मेडिकल इलाज कहीं ज्यादा सुरक्षित और असरदार है। दवाओं से छोटी पथरी निकल सकती है और जरूरत पडने पर आधुनिक तकनीकों से बिना बड़ी सर्जरी के पथरी निकाली जा सकती है। यूरोलॉजी विशेषज्ञ ने अपने वीडियो में स्पष्ट किया कि अक्सर लोग यह मानते हैं कि पेट में पथरी होने पर बियर पीना फायदेमंद होता है और इससे किडनी स्टोन अपने आप बाहर निकल जाता है, लेकिन स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, यह धारणा पूरी तरह गलत है

भारतीय उच्चायुक्त ने दिखाया कनाडा को आईना

कहा, आप ने 40 साल से आतंकवाद पर चुप्पी धारण कर रखी है

ओटावा (सत्ता संदेश)-भारतीय उच्चायुक्त दिनेश के. पटनायक ने सिख अलगाववादी नेता की हत्या के तार नई दिल्ली से जोड़ने संबंधी कनाडा के पुराने आरोपों को खारिज

निज्झर की हत्या के मामले में कनाडा के पुराने आरोपों को किया खारिज

करते हुए कहा कि यह मामला 4 व्यक्तियों के विरुद्ध है, न कि भारत सरकार के खिलाफ। एक साक्षात्कार में पटनायक ने इस बात को भी रेखांकित किया कि एयर इंडिया बम विस्फोट की जांच से अभी तक कुछ भी हासिल नहीं हुआ है और इस मामले में एक भी व्यक्ति को दोषी करार नहीं दिया गया है, जबकि नई दिल्ली पिछले 40 वर्षों से कनाडा में आतंकवाद के बारे में बात कर रही है। भारत और कनाडा के बीच संबंध उस वक्त तनावपूर्ण हो गए थे, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो ने सितंबर 2023 में आरोप लगाया कि

उस वर्ष 18 जून को सरे शहर में एक गुरुद्वारे के बाहर हरदीप सिंह निज्झर की हत्या में भारतीय एजेंटों की 'संभवत:' संलिप्तता थी। भारत ने 2020 में निज्झर को आतंकवादी घोषित किया था और इन आरोपों को बेतुका और प्रेरित बताते हुए खारिज कर दिया था। पटनायक से पूछा गया कि ट्रुडो के आरोपों के बाद एक साल से अधिक के अंतराल को दोनों देश कैसे पार करेंगे। उन्होंने कहा, अच्छा, सबूत कहां है? आप हर बार विश्वसनीय जानकारी होने की बात कहते रहते हैं, क्या वह ठीक है। भारतीय राजनयिक ने कहा, हम हमेशा से कहते आए कि यह बेतुका और हास्यास्पद है। हम ऐसा नहीं करते। इन आरोपों का कोई सबूत नहीं है। आरोप लगाना हमेशा आसान होता है। पटनायक ने यह भी कहा कि एयर इंडिया बम विस्फोट (जून 1985) की जांच से अभी तक कोई नतीजा नहीं निकला है। उन्होंने कहा, जमीनी स्तर पर कुछ भी नहीं हुआ है। हम पिछले 40 सालों से कनाडा में आतंकवाद की बात कर रहे हैं लेकिन कनाडा ने चुप्पी साध रखी है। इस बारे में किसी ने क्या किया है? एक भी व्यक्ति को दोषी नहीं करार दिया गया है। उन्होंने कहा, सिरे में एक मुकद्दमा चल रहा है, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि यह मामला 4 व्यक्तियों के खिलाफ है। भारत सरकार के खिलाफ कोई मामला नहीं है। भारत सरकार इस तरह की कार्रवाई कभी नहीं करती... कभी नहीं। उन्होंने कहा कि अगर कनाडा सबूत उपलब्ध कराता है तो भारत कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा, हमें आपसे सबूत चाहिए, तभी हम कार्रवाई कर पाएंगे। पटनायक ने एक बार फिर कहा कि कनाडा केवल सूचना दे रहा है, कोई सबूत नहीं ।

जालंधर में प्रॉपर्टी टैक्स वसूली को लेकर निगम की सख्ती

जालंधर - नगर निगम जालंधर ने घरेलू प्रॉपर्टी टैक्स की वसूली को तेज करने के लिए सख्त कदम उठाते हुए 5 विशेष टीमों को फील्ड में उतार दिया है। ये टीमें शहर के विभिन्न इलाकों में घर-घर जाकर प्रॉपर्टी टैक्स की जांच कर रही हैं और डिफॉल्टरों के खिलाफ मौके पर ही कार्रवाई की जा रही है। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार फिलहाल जिन 5 क्षेत्रों में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है, उनमें अर्बन एस्टेट फेज-2, मॉडल टाऊन, ग्रेटर कैलाश, ग्रीन पार्क और सूर्या एन्क्लेव शामिल हैं। टीमों को निर्देश दिए गए हैं कि रिहायशी प्रॉपर्टीज से मौके पर ही टैक्स की वसूली सुनिश्चित की जाए और टैक्स न चुकाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। प्रॉपर्टी टैक्स विभाग की समीक्षा बैठक के बाद शुरू किए गए इस अभियान की निगरानी सुपरिंटैंडैंट महीप सरीन, राजीव ऋषि और भूपेंद्र सिंह कर रहे हैं।

'अंधकारमय दौर' से गुजरता अमेरिका, अभी और मुश्किल होंगे हालात-पद्मा लक्ष्मी

प्रवासियों के खिलाफ माहौल पर अमेरिकन हस्ती पद्मा लक्ष्मी ने जताई चिंता

अमेरिका- भारतीय-अमेरिकी टेलीविजन हस्ती, लेखिका और प्रसिद्ध पाक कला विशेषज्ञ पद्मा लक्ष्मी ने अमेरिका की मौजूदा सामाजिक-राजनीतिक स्थिति को लेकर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि अमेरिका इस समय एक 'अंधकारमय दौर' से गुजर रहा है और संभव है कि हालात सुधरने से पहले यह दौर और भी मुश्किल हो जाए। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई कि अंतत: रोशनी की किरण जरूर दिखाई देगी। न्यूयॉर्क में 'एशिया सोसायटी' में आयोजित एक विशेष बातचीत के दौरान पद्मा लक्ष्मी ने कहा कि उनकी नई किताब 'पद्माज ऑल अमेरिकन-टेल्स, ट्रेवल्स, एंड रेसिपीज़ फ्रॉम टेस्ट द नेशन एंड बियॉन्ड' ऐसे समय में सामने आई है, जब अमेरिका और दुनिया के कई हिस्सों में प्रवासियों के खिलाफ विरोध और नकारात्मक भावनाएं बढ़ रही हैं। यह पुस्तक अमेरिका की समृद्ध पाक परंपराओं और प्रवासी समुदायों की विविध संस्कृतियों का एक अनोखा संग्रह है। लक्ष्मी ने कहा कि वह चाहती हैं

कि उनकी किताब लोगों को अलग-अलग समुदायों के प्रति जिज्ञासु बनाए और उन्हें एक-दूसरे से जुड़ने के लिए प्रेरित करे। उन्होंने कहा, 'मैं चाहती हूं कि लोग अपने कंबोडियाई-अमेरिकी, पेरूवियन-अमेरिकी, नाइजीरियाई-अमेरिकी पड़ोसियों के बारे में ज्यादा जानें। हम एक बेहद विविधतापूर्ण देश में रहते हैं, खासकर न्यूयॉर्क जैसे शहर में, जहां सड़क के दोनों ओर रहने वाले लोग अलग भाषा बोलते हैं, अलग भोजन करते हैं और अलग-अलग ईश्वर की पूजा करते हैं।'पद्मा लक्ष्मी ने इस बात पर भी अफसोस जताया कि अक्सर सांस्कृतिक और धार्मिक भिन्नताओं के कारण लोग एक-दूसरे से दूरी बना लेते हैं और संवाद नहीं कर पाते। उन्होंने कहा कि उनकी किताब में जिन लोगों की कहानियां हैं, वे आम जरूर हैं, लेकिन उनकी जीवन यात्राएं असाधारण हैं।'द कल्चर ट्री' की संस्थापक और सीईओ अनु सहगल से बातचीत में पद्मा लक्ष्मी ने कहा, 'मैं चाहती हूं कि हम एक-दूसरे को बेहतर तरीके से जानें, ताकि संवाद बढ़े और समाज में आपसी समझ मजबूत हो।'

असीम है मां की ममता!

बढ़ती सर्दी को देखते शहीद बेटे की प्रतिमा को कंबल ओढ़ाया

जम्मू (सत्ता संदेश)-देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सीमा सुरक्षा बल के जवान गुरनाम सिंह की प्रतिमा मां की असीम ममता के चलते निश्चछल प्रेम का प्रतीक बन गई। बेटे को खो चुकी मां ने बढ़ती सर्दी को देखते हुए अपने बेटे

गुरनाम सिंह 2016 में 26 वर्ष की आयु में आतंकवादियों से लड़ते हुए देश के लिए शहीद हुए

की प्रतिमा को भी सर्दी झेलते नहीं देख सकी और उसे कंबल ओढ़ा दिया ताकि उसे सर्दी न लगे। गुरनाम सिंह ने 2016 में 26 वर्ष की आयु में आतंकवादियों से लड़ते हुए अपनी जान गंवा दी थी। जम्मू के आरएस पुरा सैक्टर में स्थित शहीद गुरनाम चौक पर कांच के फ्रेम में स्थापित यह प्रतिमा, उनके गृहनगर में साहस और बलिदान का प्रतीक है, लेकिन गुरनाम सिंह की मां जसवंत कौर के लिए, यह सिर्फ एक स्मारक नहीं, बल्कि उनका बेटा है, जिसकी याद वह हर दिन संजोकर रखती हैं और जिसकी तस्वीर वह अपनी गोद में लिए रहती हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि कौर लगभग रोजाना स्मारक पर आती हैं और प्रतिमा की सफाई करती हैं। हर बार वह कांच को पोंछती हैं, प्रतिमा के आधार को भी साफ करती हैं और यह सुनिश्चित करती हैं कि स्मारक साफ-सुथरा रहे। उन्होंने बताया कि कौर ने कुछ समय पहले मूर्ति पर एक कंबल ओढ़ा दिया, मानो वह अपने बेटे को सर्दी से बचा रही हो। इस घटना ने राहगीरों का ध्यान आकर्षित किया और कई लोग इसे देख भावुक नजर आए। स्थानीय निवासी शेर सिंह ने कहा, कोई भाषण या समारोह नहीं हुआ, केवल एक मां का सहज भाव था, जो प्रेम, हानि और स्मरण को व्यक्त करता था। सोशल मीडिया पर कंबल से ढकी प्रतिमा की तस्वीरें साझा की गईं, जिस पर लोगों ने भावुक प्रतिक्रियाएं दी हैं। कई लोगों का मानना है कि जहां राष्ट्र आधिकारिक श्रद्धांजलि के माध्यम से अपने शहीद सैनिकों को सम्मानित करता है, वहीं यह श्रद्धा शहीदों के परिवारों द्वारा किए गए अदृश्य बलिदानों को भी उजागर करती है। कांस्टेबल गुरनाम सिंह को राष्ट्रपति के पुलिस वीरता पदक से सम्मानित किया गया है। उन्होंने कठुआ जिले के हीरानगर सैक्टर में भारी हथियारों से लैस 6 आतंकवादियों के एक समूह द्वारा घुसपैठ के प्रयास को विफल कर दिया था और उसके 2 दिन बाद एक बार फिर घुसपैठ की कोशिश कर रहे आतंकवादियों ने उन्हें गोली मार दी थी।

मां हमेशा मां ही रहती है.....

गुरनाम सिंह के पिता कुलबीर सिंह ने कहा कि एक मां की अपने बच्चे के लिए चिंता कभी कम नहीं होती, चाहे वह जीवित हो या न हो। उन्होंने बताया, एक मां हमेशा मां ही रहती है। कभी वह चुपचाप रोती है और कभी वह खाना-पीना छोड़ देती है। कुलबीर सिंह ने कहा कि जब सर्दी का मौसम शुरू होता है, तो कौर उसकी मूर्ति को 4 महीने के लिए एक गर्म कंबल से ढक देती हैं और फिर उसे एक हल्के कंबल से बदल देती हैं। उन्होंने कहा कि परिवार को अपने बेटे पर गर्व है, जिसने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया।

विजिलेंस ब्यूरो ने वर्ष 2025 दौरान 127 ट्रैप मामलों में 187 रिश्वतखोरों का किया काबू

18 गजेटेड और 126 नॉन-गजेटेड कर्मचारी समेत 43 पुलिस व 20 राजस्व विभाग के कर्मचारी धरे

चंडीगढ़ (सत्ता संदेश)-समाज से भ्रष्टाचार के समूल नाश के लिए विजीलेंस ब्यूरो ने इस सामाजिक बुराई को जड़ से खत्म करने का संकल्प लेते हुए रिश्वतखोरों पर नकेल कसने और जनता में जागरूकता पैदा करने के लिए बहु-आयामी रणनीति अपनाई है। इस दौरान विजीलेंस ब्यूरो ने विभिन्न मामलों में 187 व्यक्तियों को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है, जो पंजाब सरकार के कुशल और जवाबदेह शासन को दर्शाता है। ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि वर्ष 2025 के दौरान विजीलेंस ब्यूरो ने 127 टैप मामलों में विभिन्न विभागों के 144 सरकारी कर्मचारियों और 43 निजी व्यक्तियों को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू किया है। भ्रष्टचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाते हुए विजीलेंस ने 1 जनवरी से 31 दिसंबर, 2025 तक 18 गजटेड अधिकारियों और 126 नॉन-गजटेड कर्मचारियों को गिरफ्तार किया। उन्होंने खुलासा किया कि वर्ष 2025 के दौरान अन्य विभागों के अलावा पंजाब पुलिस के 43, राजस्व विभाग के 20. बिजली विभाग के 21, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के 14, परिवहन विभाग के 9, स्थानीय निकाय विभाग के 8, वन विभाग के 5, स्वास्थ्य विभाग के 5 और मंडी बोर्ड के 3 कर्मचारियों को अलग-अलग मामलों में रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। इसके अतिरिक्त शिक्षा, सहकारिता, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति तथा कार्मिक विभाग के भी 2-2 कर्मचारियों को भ्रष्टाचार के मामलों में काबू किया गया। ब्यूरो ने आरोपियों के खिलाफ 113 आपराधिक मामले दर्ज किए हैं, जिनमें 17 गजटेड अधिकारी, 98 नॉन-गजटेड कर्मचारी और 118 निजी व्यक्ति शामिल हैं। इसके अलावा 17 गजटेड अधिकारियों, 20 नॉन-गजटेड कर्मचारियों और 15 निजी व्यक्तियों के खिलाफ भ्रष्टाचार संबंधी शिकायतों की जांच के लिए 38 विजीलैंस जांच (इन्क्वायरी) भी दर्ज की गई हैं। साथ ही 4 गजटेड अधिकारियों, 5 नॉन-गजटेड कर्मचारियों और 2 निजी व्यक्तियों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के 10 मामले भी दर्ज किए गए हैं। इसके अतिरिक्त विजीलेंस ब्यूरो के मामलों की सुनवाई के दौरान अदालतों द्वारा दोषी ठहराए जाने पर 6 नॉन-गजटेड कर्मचारियों को उनके संबंधित प्रशासनिक विभागों द्वारा सेवा से बर्खास्त भी किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि विजीलैंस ब्यूरो ने वर्ष 2025 के दौरान 65 विजीलैंस जांचों का सफलतापूर्वक निपटारा भी किया है।

विजीलैंस ब्यूरो ने प्रभावशाली व्यक्तियों को भी नहीं बख्शा

वर्ष 2025 के दौरान विजीलैंस ब्यूरो को कुल 6158 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 363 शिकायतें भ्रष्टाचार विरोधी हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त हुई। उन्होंने आगे बताया कि साल 2025 के दौरान भ्रष्टाचार के मामलों में कई प्रभावशाली व्यक्तियों को भी नामजद/गिरफ्तार किया गया। जिनमें, पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया, विधायक रमन अरोड़ा, आईपीएस अधिकारी हरचरण सिंह भुल्लर, जालंधर से सहायक आयुक्त सीजीएसटी रविंद कुमार शर्मा, बटाला से पीसीएस अधिकारी विक्रमजीत सिंह पांथे, लुधियाना से पीसीएस अधिकारी गुरबीर सिंह कोहली, एसबीएस नगर से पीसीएस अधिकारी रविंदर कुमार बंसल, पनसप के जनरल मैनेजर अजीतपाल सिंह सैनी, पीएसपीसीएल के डिप्टी चीफ इंजीनियर हरमिंदर सिंह, सब-रजिस्ट्रार जगतार सिंह, तहसीलदार राम लाल, एसएमओ डॉ. सुमित सिंह, डीएसपी गुरशेर सिंह तथा सिविल अस्पताल सुनाम से डॉ. अमित सिंगला शामिल हैं।

मोटापा सिर्फ वजन नहीं, गंभीर बीमारी है, समय पर इलाज से बचाई जा सकती है जिन्दगी-डॉ. रोहताश लूथरा

आरजी हॉस्पिटल्स लुधियाना में 170 किलो वजनी मरीज पर हाई-रिस्क वेट लॉस सर्जरी सफल

लुधियाना (सत्ता संदेश)-आरजी हॉस्पिटल्स लुधियाना ने 170 किलो वजनी एक मरीज पर हाई-रिस्क वेट लॉस (बेरिएट्रिक) सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम देकर चिकित्सा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह जटिल सर्जरी बैरिएट्रिक एवं जनरल लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के कंसलटेंट डॉ. रोहताश लूथरा के नेतृत्व में एडवांस्ड लेप्रोस्कोपिक तकनीकों की मदद से की गई। अत्यधिक मोटापे के कारण मरीज़ कई गंभीर बीमारियों से पीड़ित था, जिनका इलाज सामान्य मेडिकल थेरेपी से संभव नहीं हो पा रहा था। मरीज को अनियंत्रित डायबिटीज, गंभीर हाइपरटेंशन, ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया, क्रोनिक कमर दर्द और डिप्रेशन जैसी समस्याएं थीं। डॉक्टरों ने विस्तृत जांच और जोखिम मूल्यांकन के बाद मिनिमली इनवेसिव तकनीक से मिनी गैस्ट्रिक बाईपास सर्जरी करने का निर्णय लिया। कई सह-बीमारियों के बावजूद सर्जरी सफल रही और मरीज की रिकवरी संतोषजनक रही। डॉ. रोहताश लूथरा ने बताया कि मोटापा अब केवल सौंदर्य से जुड़ी समस्या नहीं, बल्कि एक गंभीर और क्रोनिक बीमारी मानी जाती है, जो शरीर के लगभग हर अंग को प्रभावित करती है। मोटापे के कारण डायबिटीज, हाई ब्लड प्रैशर, हृदय रोग, स्ट्रोक, स्लीप एपनिया, जोड़ों और रीढ़ की बीमारियां, फैटी लिवर, बांझपन और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे मामलों में बेरिएट्रिक या मेटाबॉलिक सर्जरी न सिर्फ वजन कम करती है, बल्कि शरीर की मेटाबॉलिक गड़बडियों को भी सुधारती है। मैडीकल रिसर्च के अनुसार वेट लॉस सर्जरी से टाइप-2 डायबिटीज में सुधार या पूरी तरह नियंत्रण, ब्लड प्रेशर में संतुलन, स्लीप एपनिया और जोड़ों के दर्द में राहत तथा जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार संभव है। समय पर सर्जिकल हस्तक्षेप से दवाओं पर निर्भरता भी कम हो सकती है। आरजी हॉस्पिटल्स लुधियाना में मोटापे से जूझ रहे मरीज़ों के लिए 'सैटरडे स्पेशल ओबेसिटी क्लीनिक' के माध्यम से समर्पित परामर्श, विस्तृत जांच और व्यक्तिगत उपचार योजनाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। यह सफल सर्जरी दर्शाती है कि अनुभवी टीम और आधुनिक तकनीक के साथ हाई-रिस्क वेट लॉस सर्जरी सुरक्षित और प्रभावी रूप से की जा सकती है।

मनरेगा को सियासी हथियार बनाने की तैयारी में कांग्रेस, राहुल गांधी सजाएंगे चौपाल

लखनऊ- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार के खिलाफ बड़ा राजनीतिक मोर्चा खोल दिया है। कांग्रेस इस मुद्दे को सियासी हथियार बनाते हुए देशभर में पदयात्रा, पंचायतें और चौपालों के माध्यम से जनआंदोलन खड़ा करने की तैयारी में है। इसकी शुरुआत कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली से करेंगे। बताया जा रहा है कि इस दौरान राहुल गांधी ग्रामीण श्रमिकों से संवाद करेंगे और उनके अधिकारों, रोजगार तथा सम्मान से जुड़े मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाएंगे। कांग्रेस महासचिव एवं लोकसभा सांसद केसी वेणुगोपाल ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा है कि 20 जनवरी को कांग्रेस नेता राहुल गांधी उत्तर प्रदेश के रायबरेली में एक मनरेगा चौपाल में शामिल होंगे। इस दौरान राहुल गांधी ग्रामीण श्रमिकों से संवाद करेंगे और उनके अधिकारों, रोजगार तथा सम्मान से जुड़े मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाएंगे।

भारत साधु समाज ने महंत बंसी दास जी को सौंपी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

हरिद्वार (सत्ता सन्देश) भारत साधु समाज (स्थापित 1956) द्वारा संगठन को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देशानुसार महंत बंसी दास जी को भारत साधु समाज में पंजाब प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है। महंत बंसी दास जी लंबे समय से सनातन धर्म, राष्ट्र और साधु-संतों के हित में समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं। उनके अनुभव, निष्ठा और संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें यह दायित्व सौंपा गया है। भारत साधु समाज ने आशा व्यक्त की है कि महंत बंसी दास जी संगठन की गरिमा और उद्देश्यों के अनुरूप पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं सक्रियता के साथ कार्य करेंगे तथा समाज और राष्ट्रहित में संगठन को और अधिक सशक्त बनाएंगे।

यह मनोनयन निर्धारित अवधि तक मान्य रहेगा। संगठन ने ईश्वर से उनके सफल कार्यकाल की कामना की है।

गहनों के बाद अब गाड़ियों की ताकत बनी चांदी

कभी त्यौहारों और शादियों में गहनों की शोभा बढ़ाने वाली चांदी आज तकनीक और ऊर्जा की दुनिया में नई ऊंचाइयां छू रही है। जो धातु कभी तिजोरियों में बंद रहती थी, अब कारों के इंजनों और सोलर पैनलों के भीतर दौड़ रही है। साल 2025 में जिसने निवेशकों को हैरान कर दिया था, वही चांदी अब एक बार फिर सुर्खियों में है। गत 24 दिसंबर 2025 को इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार चांदी का भाव बढ़कर 2 लाख 20 हजार रुपए प्रति किलो तक पहुंच गया। महज एक साल पहले यही चांदी 90 हजार रुपए प्रति किलो के आसपास थी। यानि एक साल में 130 प्रतिशत से ज्यादा का मल्टीबैगर रिटर्न। सोने की चमक के आगे हमेशा पीछे मानी जाने वाली इस धातु ने अब बाजार में अपनी नई पहचान बना ली है। गहनों की धातु से लेकर भविष्य की तकनीक की धातु बनने तक चांदी का यह सफर असाधारण रहा है। साल 2025 चांदी के निवेशकों के लिए किसी चमत्कार से कम नहीं रहा। शुरुआत में यह 90,500 रुपए प्रति किलो के स्तर पर थी, जबकि दिसंबर तक यह 2 लाख 20 हजार रुपए प्रति किलो पार कर गई। इस दौरान इसमें 1,29,000 रुपए प्रति किलो की बढ़ोतरी दर्ज हुई, जो लगभग 130 प्रतिशत रिटर्न के बराबर है। इतना शानदार रिटर्न न शेयर बाजार ने दिया, न सोने ने। इसी वजह से 2025 के अंत तक निवेशकों का झुकाव तेजी से सिल्वर मार्केट की ओर बढ़ गया। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या यह बढ़ोतरी जारी रहेगी या मुनाफावसूली का दौर शुरू होगा।

सोने को पीछे छोड़ कर आगे आगे निकल गई चांदी- जहां सोने की कीमतें 2025 में करीब 60 प्रतिशत बढ़ीं, वहीं चांदी ने 130 प्रतिशत की छलांग लगाई। इस प्रदर्शन ने पारंपरिक निवेश की धारणा को पूरी तरह बदल दिया। एमसीएक्स (मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज) पर चांदी ने दिसंबर के तीसरे सप्ताह में 8 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त दर्ज की और 2,08,603 रुपये प्रति किलो के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गई। दिल्ली सर्राफा बाजार में थोड़ी

2030 तक हर तीन में से एक नई गाड़ी इलैक्ट्रिक होगी

मुनाफावसूली के बाद यह 2,04,100 रुपये प्रति किलो पर आ गई, लेकिन बाजार की धारणा अब भी तेजी की ओर झुकी हुई है।

क्यों बढ़ रही है चांदी की मांग- पीएल कैपिटल की रिपोर्ट बताती है कि चांदी की कीमतों में तेजी की सबसे बड़ी वजह है औद्योगिक मांग में जबरदस्त उछाल। अब यह धातु सिर्फ गहनों तक सीमित नहीं, बल्कि भविष्य की तकनीकों का अहम हिस्सा बन चुकी है। इसका उपयोग इलैक्ट्रिक व्हीकल्स (ई.वी.एस.), सौर ऊर्जा (सोलर पैनलज), बैटरी और सैमीकंडक्टर टैक्नोलॉजी, मोबाइल फोन और 5जी नेटवर्क, मैडीकल डिवाइस और ऊर्जा भंडारण प्रणालियों में आई तेजी ने चांदी की मांग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा दिया है।

ईवी क्रांति ने बदल दी चांदी की कहानी- दुनिया अब तेजी से इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ई.वी.एस.) की ओर बढ़ रही है। अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के अनुसार, 2030 तक हर तीन में से एक नई गाड़ी इलैक्ट्रिक होगी। इसी बदलाव ने चांदी को नई भूमिका दी है। इलेक्ट्रिक वाहनों की संरचना पूरी तरह इलेक्ट्रॉनिक नेटवर्क पर आधारित होती है। बैटरी, मोटर, कंट्रोल यूनिट, चार्जिंग सिस्टम और सेंसर सब बिजली से चलते हैं। ऐसे में चांदी, जो दुनिया की सबसे श्रेष्ठ विद्युत चालक धातु मानी जाती है, अनिवार्य हो जाती है।

ई.वी.एस. में चांदी का उपयोग

हाई-परफॉर्मेंस इलेक्ट्रिकल कनेक्टर्स, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और इनवर्टरज़, बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम, सेंसर और कंट्रोल यूनिट्स, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में चांदी का उपयोग होता है। विशेषज्ञों के अनुसार, एक इलेक्ट्रिक कार में पारंपरिक गाड़ियों की तुलना में कई गुना अधिक चांदी की आवश्यकता होती है।

सप्लाई कम, मांग ज्यादा है असली वजह- मांग में यह उछाल चांदी की सप्लाई से मेल नहीं खा रहा। चांदी आमतौर पर कॉपर, जिंक और लेड की खदानों से साथ में निकलती है। इसलिए केवल चांदी के लिए नई खदानें खोलना महंगा और समय लेने वाला काम है। रिपोर्टों के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर पिछले पांच वर्षों में चांदी का उत्पादन लगभग स्थिर रहा है, जबकि औद्योगिक उपयोग में 20 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह असंतुलन अब बाजार में दीर्घकालिक तेजी को मजबूत बना रहा है। भारत में निवेशकों की मानसिकता भी तेजी से बदल रही है। पहले जहां सोने और रियल एस्टेट को प्राथमिकता दी जाती थी, अब चांदी को एक औद्योगिक परिसंपत्ति के रूप में देखा जा रहा है। बाजार विशेषज्ञ मानते हैं कि चांदी अब सिर्फ भावनात्मक या पारंपरिक धातु नहीं, बल्कि उद्योगों की रीढ़ बन चुकी है। इसका मूल्य अब केवल फैशन या गहनों से नहीं, बल्कि टेक्नोलॉजी और ऊर्जा ट्रांजिशन से तय होता है।

2026 के अंत तक पहुंच सकती है 2.5 लाख रुपये प्रति किलो तक चांदी

वर्तमान भाव 2,20,000 रुपए प्रति किलो है। मार्किट विश्लेषक मानते हैं कि अगर मांग इसी गति से बढ़ती रही और सप्लाई में कोई बड़ा सुधार नहीं हुआ, तो 2026 के अंत तक चांदी 2.5 लाख रुपए प्रति किलो तक पहुंच सकती है कम अवधि में इसमें 2.25 लाख से 2.45 लाख रुपए प्रति किलो का उतार-चढ़ाव संभव है। हालांकि वैश्विक ब्याज दरें, डॉलर इंडेक्स और चांदी की रीसाइक्लिंग दरें इसकी गति को प्रभावित कर सकती हैं। फिर भी दीर्घकालिक दृष्टि से बाजार विशेषज्ञ इसे मजबूत संरचनात्मक तेजी मान रहे हैं। सौर ऊर्जा, इलैक्ट्रिक वाहनों और 5जी टैक्नोलॉजी की बढ़ती मांग ने चांदी को एक नई श्रेणी में ला खड़ा किया है, जिसे विशेषज्ञ स्ट्रैटेजिक मेटल कह रहे हैं। इसका अर्थ यह है कि यह धातु अब केवल सजावट या निवेश का माध्यम नहीं रही, बल्कि भविष्य की ऊर्जा और संचार प्रणालियों के लिए एक आवश्यक संसाधन बन चुकी है। दूसरे शब्दों में, जो धातु कभी तिजोरी में बंद रहती थी, अब वह कल की गाड़ियों और सोलर पैनलों में तकनीक की शक्ति बन गई है। जहां सोना स्थिर निवेश का प्रतीक रहा है, वहीं चांदी अब नवाचार और विकास की पहचान बन चुकी है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि अगर दुनिया इलैक्ट्रिक व्हीकल्स और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में इसी गति से बढ़ती रही, तो आने वाले कुछ वर्षों में चांदी की यह चमक और तेज होगी।

हरमनप्रीत कौर को छोले-भटूरे और बटर चिकन बेहद पंसद हैं

नई दिल्ली (सत्ता संदेश)- भारतीय महिला टीम और मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत को छोले भटूरे और बटर चिकन बेहद पंसद है। जियो हॉटस्टार पर बात करते हुए मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने यह बात कही। जब उनसे पूछा गया कि मैच के बाद उनका पसंदीदा खाना कौन सा है। उन्होंने कहा, छोले भटूरे और बटर चिकन। इस बातचीत के दौरान उन्होंने उन खिलाड़ियों के नाम बताए जो सबसे बड़े शरारती हैं।

उन्होंने कहा, हेली मैथ्यूज और शबनम इस्माइल को जब भी उन्हें मौका मिलता है, वे युवा लड़कियों की टांग खींचती रहती हैं। हरमनप्रीत कौर ने कहा कि उन्हें क्रिकेट के अलावा फुटबॉल बेहद पसंद है। जब उनसे पूछा गया कि अगर क्रिकेट नहीं तो वह कौन सा खेल खेलेंगी। उन्होंने कहा, फुटबॉल, मुझे फुटबॉल बहुत पसंद है। ड्रेसिंग रूम में सबसे अधिक बजने वाले गाने और उनके पसंदीदा गाने को लेकर उन्होंने कहा, पंजाबी बीट गाने। अभी मुझे पंजाबी गाना बैड बॉय बेहद पसंद है। उन्होंने कहा कि शबनम इस्माइल सबसे मुश्किल गेंदबाज है। उन्होंने कहा, प्रैक्टिस नेट में मैं कह सकती हूं शबनीम इस्माइल का सामना करना बहुत मुश्किल है। अपनी कप्तानी के अंदाज में वह एक चीज जो कभी नहीं बदलना चाहेंगी। उन्होंने कहा, मेरी कप्तानी के अंदाज में एक चीज जो मैं कभी नहीं बदलना चाहती, वह है मैदान पर आक्रामकता। क्योंकि मुझे लगता है कि यह मेरे अंदर से सबसे अच्छा निकालता है। मैदान के बाहर मुझे गुस्सा नहीं आता।

मैग्नस कार्लसन नार्वे शतरंज प्रतियोगिता में भाग लेंगे

नई दिल्ली (सत्ता संदेश)-शतरंज के दिग्गज मैग्नस कार्लसन ने आगामी नार्वे शतरंज टूर्नामेंट में अपनी भागीदारी को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए कहा हुए कहा है कि वह इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में मैग्नस कार्लसन भाग लेंगे, जो इस बार स्टावेंजर की जगह ओस्लो में खेली जाएगी। कार्लसन पिछले 13 वर्षों में अपनी घरेलू धरती पर होने वाले टूर्नामेंट में हमेशा खेलते रहे हैं लेकिन हाल में हमेशा खेलते रहे हैं ले उन्होंने क्लासिकल शतरंज से दूरी बढ़ाने का फैसला किया था, जिससे उनका इस प्रतियोगिता में भाग लेने को लेकर संदेह पैदा हो गया था। नार्वे शतरंज प्रतियोगिता 25 मई से पांच जून तक ओस्लो में खेली जाएगी।

विश्व चैंपियन मुक्केबाज मैरी काम अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में

नई दिल्ली (सत्ता संदेश)- आई.ए.एन.एस. अपने दमदार पंच से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का नाम रोशन करने वाली विश्व चैंपियन मुक्केबाज मैरी काम इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। मैरी काम ने हाल ही में अपने पूर्व पति के ओनलर काम पर धोखाधड़ी के आरोप लगाए थे। मैरी काम द्वारा अपने ऊपर लगाए गए आरोपों का के ओनलर कोम ने जवाब दिया है। ओनलर ने मैरी काम के आरोपों को गलत बताया है। ओनलर और मैरी काम की शादी 2005 में हुई थी। उनके चार बच्चे हैं। दोनों का 2023 में तलाक हो गया था। ओनलर ने मैरी काम के लगाए आरोपों को झूठा बताते हुए कहा कि वह शादीशुदा होते हुए दूसरे के साथ रिश्ते में थीं। ओनलर ने दावा किया कि उनकी शादी में दिक्कतें एक दशक से भी ज्यादा पुरानी हैं। मैरी काम का पहली बार 2013 में एक काम के साथ जूनियर मुक्केबाज के साथ अफेयर था। 2017 से वह मैरी काम बाक्सिंग एकेडमी से जुड़े एक व्यक्ति के साथ रिलेशनशिप में हैं। मेरे पास सबूत के तौर पर उनके व्हाट्सएप

मैसेज हैं, लेकिन मैं चुप रहा। मुझे उसके आगे बढ़ने पर कोई एतराज नहीं है, लेकिन सबके सामने दोषी ठहराया जाना मुझे कबूल नहीं है। उन्होंने कहा कि वह अकेली रहना चाहती थी और दूसरा रिलेशनशिप चाहती थी। हमारा तलाक हो चुका है। अगर वह दूसरा पति चाहती है तो मुझे कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन मुझे कभी दोष मत देना। अगर उसे मुझे दोष देना है तो सबूत देना पड़ेगा। मुझे पता है कि वह कहां रहती है और किसके साथ रहती है। पैसों की गड़बड़ी के आरोपों पर ओनलर ने कहा कि उनके अभी के रहन-सहन के हालात उन आरोपों को गलत साबित करते हैं कि उनके गत साबित करते हैं पास बहुत सारा पैसा है। उसने कहा कि मैंने पांच करोड़ चुराए हैं। मेरा अकाउंट देख लिया जाए। शादी के बाद 18 साल तक हम साथ रहे। अब वह पागल हो गई है। मेरे पास क्या है? मेरा घर देखो। मैं दिल्ली में किराए के घर में रह रहा हूं।

मंत्री अनिल विज के साथ की राष्ट्रीय हॉकी प्लेयर नवनीत कौर ने मुलाकात

गौरवान्वित होते हुए राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी ओलंपियन नवनीत कौर को अपना आशीर्वाद दिया

चंडीगढ़ (सत्ता संदेश)- हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज से राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी ओलंपियन नवनीत कौर ने चंडीगढ़ में उनके कार्यालय में मुलाकात की। इस दौरान विज ने रांची में हीरो हॉकी इंडिया लीग चैंपियंस एसजी पाइपर्स की कप्तान और चैंपियनशिप की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी ओलंपियन नवनीत कौर पर गौरवान्वित होते हुए अपना आशीर्वाद दिया। विज ने कहा कि हरियाणा के गौरव ओलंपियन नवनीत कौर ने हीरो हॉकी इंडिया

लीग 2025-26 में शानदार प्रदर्शन कर इतिहास रच दिया है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा हैं कि वह आने वाले टूर्नामेंट्स में भी देश का नाम रोशन करती रहेंगी। विज ने कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। गौरतलब है कि शाहबाद की रहने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम की उप-कप्तान नवनीत कौर ने एसजी पाइपर्स की कप्तानी करते हुए अपनी टीम को फाइनल में विजयी नेतृत्व प्रदान किया। टीम ने रांची में आयोजित चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता, जबकि नवनीत कौर को न केवल कप्तान के रूप में सम्मानित किया गया, बल्कि उन्हें 'चैंपियनशिप की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' का खिताब भी प्रदान किया गया। नवनीत कौर का यह प्रदर्शन हरियाणा के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। ओलंपिक स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर चुकीं नवनीत ने अपनी कड़ी मेहनत, नेतृत्व क्षमता और खेल कौशल से साबित कर दिया कि हरियाणा का खेल क्षेत्र विश्व पटल पर अव्वल है।

भारत ने ढूंढ लिया नंबर-3 पर नया बल्लेबाज, विस्फोटक बैटर की खुल गई किस्मत

नागपुर- न्यूजीलैंड के खिलाफ 21 जनवरी से शुरू होने जा रही पांच मैच की टी-20 सीरीज के पहले मुकाबले में ईशान किशन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आएंगे. भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मैच की पूर्व संध्या पर इसकी पुष्टि की. सूर्या ने बताया कि ईशा किशन को श्रेयस अय्यर से पहले मौका मिलेगा क्योंकि वह भारत की टी-20 वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा हैं और टीम मैनेजमेंट उन्हें चोटिल तिलक वर्मा वाले रोल में फिट होते देखना चाहता है.

तिलक वर्मा भी लेफ्ट हैंडर हैं और आमतौर पर तीसरे नंबर पर ही खेलते हैं. हाल ही में उन्होंने पेट की सर्जरी करवाई है और शुरुआती तीन मैच के लिए बाहर हो चुके हैं. यही वजह है कि श्रेयस अय्यर को टीम में वापसी का मौका मिला है. हालांकि कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ये भी साफ कर दिया कि अय्यर को नंबर 5 के

लिए देखा जा रहा है. उन्होंने कहा- ईशान नंबर 3 पर बल्लेबाजी करेगा क्योंकि वह हमारी टी-20 वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा है और उसे पहले टीम में चुना गया था, इसलिए हमारी जिम्मेदारी है कि उसे मौका दें. वह पिछले डेढ़ साल से भारत के लिए नहीं खेला है और इस दौरान घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है चूंकि ईशान को वर्ल्ड टी-20 के लिए चुना गया है, इसलिए वह श्रेयस से पहले खेलने के हकदार हैं. अगर बात नंबर 4 या 5 की होती तो सवाल अलग होता. दुर्भाग्य से तिलक नहीं है, इसलिए ईशान सबसे अच्छा विकल्प है.

रंगे हाथों रिश्वत लेती जिला टाऊन प्लानर गिरफ्तार, विजिलेंस विभाग को दो दिन का पुलिस रिमांड

गुरदासपुर - एक लाख रूपये रिश्वत लेते हुए विजिलेंस विभाग द्वारा गिरफ्तार जिला टाऊन प्लानर रितिका अरोड़ा को कोर्ट में पेश किया गया है और अदालत ने पूछताछ के लिए विजिलेंस विभाग को दो दिन का पुलिस रिमांड दिया। वणर्नीय है कि कल जिला टाऊन प्लानर गुरदासपुर रितिका अरोड़ा को उनके ऑफिस में ही एक व्यक्ति से प्लाटों की मंजूरी देने के लिए एक लाख रुपये की रिश्वत के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया था।

यह शिकायत गुरजीत सिंह नाम के एक व्यक्ति ने दर्ज कराई थी, जिसने करीब 7 कनाल 15 मरला जमीन खरीदी थी और रितिका अरोड़ा ने उसका प्लॉट काटने की परमिशन देने के लिए हर प्लॉट के हिसाब से 1 लाख रुपये रिश्वत मांगी थी। इसके बाद शिकायतकर्ता ने विजिलेंस को शिकायत की और

विजिलैंस विभाग गुरदासपुर ने जाल बिछाकर उक्त महिला अधिकारी रितिका अरोड़ा को गिरफ्तार कर लिया गया। विजिलेंस ब्यूरो के एक प्रवक्ता ने बताया कि विजिलैंस विभाग ने पूछताश के लिए अदालत से रितिका अरोड़ा को चार दिन के रिमांड की मांग की गई थी,परंतु अदालत ने आगे की पूछताछ के लिए दो दिन का रिमांड दिया है।

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सख्त आव्रजन नीति पर बवाल

समर्थक और विरोधी आमने-सामने, सड़कों पर भिड़े प्रदर्शनकारी

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की सख्त आव्रजन नीति को लेकर शनिवार को मिनियापोलिस में हालात तनावपूर्ण

हो गए। आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन एजेंसी (आई.सी.ई.) की कार्रवाई के समर्थकों और विरोधियों के बीच झड़पें हुईं, जिसके बाद राज्य प्रशासन को सतर्कता बढ़ानी पड़ी। गवर्नर कार्यालय ने बताया कि नेशनल गार्ड के जवानों को तैनाती के लिए बुला लिया गया है। वे राज्य की कानून-प्रवर्तन एजेंसियों की मदद के लिए तैयार हैं, हालांकि फिलहाल उन्हें शहर की सड़कों पर तैनात नहीं किया गया है। अमेरिकी गृह मंत्रालय द्वारा मिनियापोलिस और सेंट पॉल में 2,000 से अधिक संघीय अधिकारियों की तैनाती के बाद से यहां रोजाना प्रदर्शन हो रहे हैं। इन अधिकारियों को इलाके में आव्रजन प्रवर्तन को और सख्त बनाने के लिए लाया गया है। शनिवार को मिनियापोलिस में एक ओर बड़ी संख्या में आव्रजन कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शनकारी थे, वहीं दूसरी ओर आई.सी.ई. समर्थक और सोमाली विरोधी समूहों की रैली चल रही थी। दोनों पक्षों के आमने-सामने आने से हालात बिगड़ गए और झड़पें शुरू हो गईं। प्रदर्शनकारी आरोप लगा रहे हैं कि आव्रजन अधिकारी लोगों को घरों और कारों से जबरन बाहर खींच रहे हैं और अत्यधिक आक्रामक तरीके अपना रहे हैं। इस अभियान के दौरान कम से कम एक व्यक्ति की मौत की भी पुष्टि हुई है। इस बीच, मिनेसोटा की एक न्यायाधीश ने शक्रवार को अहम आदेश जारी करते हुए कहा कि हालिया बड़े आव्रजन अभियान में शामिल संघीय अधिकारी शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को हिरासत में नहीं ले सकते और न ही उन पर आंसू गैस का इस्तेमाल कर सकते हैं। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि अधिकारी वाहनों में बैठे दर्शकों को तब तक हिरासत में नहीं ले सकते, जब तक यह साबित न हो कि वे कानून-प्रवर्तन के काम में बाधा डाल रहे हैं।

ईरान में होने वाला है कुछ बड़ा, न्यूक्लियर बंकर में छुप गए खामेनेई

तेहरान- ईरान में भले ही प्रदर्शन की आग ठंडी हो गई हो लेकिन प्रदर्शनकारियों की मौत का सिलसिला बंद नहीं हुआ है.दावा किया जा रहा है कि मरने वालों की संख्या 5 हजार पार कर गई है. इस बीच ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई, और ट्रंप के बीच बवाल शुरू हो गया है. उन्होंने ट्रंप को 'क्रिमिनल' घोषित कर दिया था. ट्रंप ने भी जवाब में ईरान में तख्तापलट की धमकी दे डाली थी. वहीं, अब अचानक खामेनेई बंकर में जाकर छुप गए हैं. इससे पहले जब खामेनेई बंकर में छुपे थे तब धड़ाधड़ मिसाइलें गिरी थीं. इसके बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि ईरान में कुछ बड़ा होने वाला है.

थाना जमालपुर में ज़ोन 4 के एरिया से लुट खोह, चोरी और गम हुए 174 मोबाईल शिकायतकर्ताओं को लौटाए

शिकायतकर्ताओं ने किया पुलिस का धन्यवाद

एसीपी व एसएचओ को अपील , अपनी शिकायत हमेशा दर्ज करवाएं

लुधियाना, (संजय)-सोमवार को थाना जमालपुर में गुमशुदा मोबाइल विरतण समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान जानकारी देते हुए थाना इंडस्ट्रियल एरिया- ए के ए.सी.पी इंदरजीत सिंह बोपाराय, थाना जमालपुर के एस.एच.ओ. दलवीर सिंह ने बताया कि ज़ोन 4 के इलाकों में लूट खोह, चोरी और गुम हुए मोबाइल की शिकायतों को ट्रेस करके मोबाइल बरामद किये गए। ये मोबाइल ट्रेस में

आई.टी. विंग के एक्सपर्ट का बहुत बड़ा योगदान रहा। जिन जिन लोगों की शिकायतें थी उनको समारोह में बुलाकार अलग अलग कम्पनियों के 174 मोबाईल सुबुर्द करवाये गए। वहीं जो शिकायतकर्ता नहीं पहुंच सके वो कभी भी आकर अपने मोबाइल की पहचान करके ले सकते हैं। वही ए.सी.पी. और एस.एच.ओ, आई.टी. विंग के एक्सपर्ट्स ने लोगों अपील की कि अगर किसी का मोबाइल चोरी, गुम या खोह हो जाता है , कृपया इस सम्बन्धी अपनी शिकायत आवश्यक दर्ज करवाएं। इस दौरान जिस जिस शिकायतकर्ताओं को आज उनके मोबाईल मिले वो काफी खुश नजर आए और उन्होंने वहीं अपना मोबाइल मिलने पर पुलिस का धन्यवाद किया

जालंधर में पूर्व कर्नल ठगी का शिकार, 9 पर केस दर्ज

जालंधर -धीना में रहते भारतीय सेना के पूर्व कर्नल को ठगों ने शून्या ट्रेडिंग एप में पैसे इंवैस्ट करने का लालच देकर उनसे 37.66 लाख रुपए ठग लिए। पूर्व कर्नल ने इस संबंधी जालंधर पुलिस को शिकायत दी जिसके बाद साइबर क्राइम सेल ने 9 लोगों पर एफ.आई.आर. दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में पूर्व कर्नल अशोक कुमार निवासी धीना ने कहा कि जुलाई 2025 में व्हाट्स एप के जरिए उन्हें एक मैसेज आया था जिसमें शून्या ट्रेडिंग एप के जरिए पुलिस इंवैस्ट करने पर अच्छे रिटर्न का भरोसा दिया गया था। उन्होंने उक्त कंपनी के बारे इंटरनैट पर भी सर्च किया जिसमें सब कुछ सही था।

उन्होंने कहा कि 3 जुलाई से लेकर 3 सितम्बर तक उन्हें लालच देकर उनसे 37 लाख 66 हजार 144 रुपए ट्रांसफर करवा लिए गए लेकिन बताए हुए समय पर रिटर्न का समय आने पर जिन जिन लोगों ने उनके साथ सम्पर्क किया उन सभी ने फोन उठाने बंद कर दिए और मैसेज का भी जवाब देना बंद कर दिया। जैसे ही पुलिस के पास शिकायत पहुंची तो जिन-जिन नंबरों से पूर्व कर्नल से फोन आए और जिन जिन बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर किए गए उन सभी बैंक खातों के उपभोगता व मोबाइल नंबर से सिम कार्ड होल्डरों की डिलेट लेकर पुलिस ने 9 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

कनाडा में 3 बहनों के इकलौते भाई की मौत, इसी साल आना था पंजाब

खन्ना - खन्ना के साथ लगते गांव कटाहरी के 27 वर्षीय युवक अमरवीर सिंह पुत्र शिंगारा सिंह की अचानक दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। इस दुखद खबर से राड़ा साहिब कस्बे और आसपास के इलाकों में शोक की लहर दौड़ गई।

प्रास जानकारी के अनुसार मृतक के पिता शिंगारा सिंह ने भर्राए गले से बताया कि अमरवीर सिंह तीन बहनों का इकलौता भाई था। उसने पंजाब में रहते हुए भी अपनी मेहनत से अच्छी पहचान बनाई थी। अमरवीर सिंह चार साल पहले, वर्ष 2022 में उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए कनाडा गया था। वहां वह वर्क परमिट पर ट्रक चला रहा था और इस साल पंजाब आने की इच्छा भी जता रहा था। मृतक का शव आज उसके पैतृक गांव कटाहरी पहुंच गया है। युवक की असमय मौत पर क्षेत्र के विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक नेताओं ने परिवार के प्रति गहरा दुख व्यक्त किया है।

पंजाब सरकार के रोजगार दिलवाने के दावे हवा-हवाई, पूरे राज्य में फैला फर्जी ट्रैवल एजैंटों का नेटवर्क

अमृतसर - पंजाब में रोजगार कम होने के कारण युवाओं में विदेश जाने का क्रेज बढ़ गया है, जिससे सरकार के पंजाब में युवाओं को रोजगार दिलवाने के दावे हवा-हवाई नजर आ रहे हैं। राज्य का लगभग हर युवा अब देश में रहने के बजाय विदेश जाकर डॉलर कमाने के लालच में आ रहा है। अमेरिका, कनाडा, यू.के. और ऑस्ट्रेलिया जहां विदेश जाने के इच्छुक पंजाबियों की पहली पसंद बने हुए हैं, वहीं पंजाबी युवा अब यूरोपीय देशों में जाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालने से भी नहीं हिचकिचा रहे हैं।

पूरे राज्य में फर्जी ट्रैवल एजेंटों का नेटवर्क फैला हुआ है। ये ट्रैवल एजेंट पंजाब की अर्थव्यवस्था को दीमक की तरह खोखला करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे। ट्रैवल एजेंट युवाओं की विदेश जाने की चाहत का फायदा उठा रहे हैं, जो इसके लिए कुछ भी करने को तैयार रहते हैं, यहां तक कि गैर-कानूनी तरीके से भी। नकली ट्रैवल एजेंट भोले-भाले लोगों की मेहनत की कमाई दोनों हाथों से लूट रहे हैं। बाद में ठगे गए लोग अपना पैसा वापस पाने के लिए पुलिस थानों और अदालतों के चक्कर काटते रहते हैं।

इमिग्रेशन इंडस्ट्री में फैले इस फ्रॉड ने पंजाब में कई घर बर्बाद कर दिए हैं। अपने बच्चों को विदेश में सेटल करने के लिए मजबूर माता-पिता अपनी जमा-पूंजी तक गंवा रहे हैं, लेकिन ट्रैवल एजेंट उनकी मजबूरी का पूरा फायदा उठाते हैं और भावनाओं को ठेस पहुंचाते हैं।